ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 317 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 मई 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
42.2 अधिकतम
29.0 न्यूनतम

Page- 7

लखनऊ-पंजाब, समय : शाम 7.30 बजे

ट्विशा को चाहिए न्याय... देर रात मुख्य आरोपी को भोपाल लेकर आई पुलिस

समर्थ की पेशी के लिए वकीलों और मीडिया का कोर्ट में जमावड़ा, लंबी रिमांड मांगेगी पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में जबलपुर से गिरफ्तार किए गए समर्थ सिंह को लेकर भोपाल पुलिस कोर्ट पहुँच गई है। सूत्रों का कहना है की उनकी पेशी लांच के बाद होगी और पुलिस ने उसकी एक सप्ताह की रिमांड मांगने की तैयारी की है ताकि घटना की परिस्थितियों का आकलन किया जा सके। इस हाई प्रोफाइल हो चके मामले के सुनवाई को देखते हुए जिला अदालत परिसर में बड़ी संख्या में वकीलों और मीडिया कर्मियों का जमावड़ा है।

इधर, भोपाल में मौत ट्विशा के आखिरी मेकअप का वीडियो फुटेज सामने आया है। इसमें वो कटारा हिल्स स्थित ससुराल के पास एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही हैं। वीडियो में वे रिलैक्स दिखाई दे रही हैं। पुलिस ने इस फुटेज को भी जब्त कर लिया है। ब्यूटी पार्लर ट्विशा के ससुराल से महज 100 मीटर की दूरी पर है। ट्विशा के घर के उस हिस्से की तस्वीर भी सामने आई है, जहां उसकी डेडबॉडी मिली थी। जांच के दौरान ये भी पता चला है कि ट्विशा ने 12 मई को सुबह 9.52 बजे भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराया था। वह 15 मई को अजमेर जाने वाली थी, जहां उसके भाई मेजर हर्षित शर्मा की पोस्टिंग है। इससे संदेह गहराता है कि जिस दिन जयपुर के लिए टिकट ली उसी दिन आत्महत्या कैसे कर ली।

ट्विशा का मेकअप करवाते हुए आखिरी वीडियो आया सामने

अपना केस खुद लड़ेंगी पूर्व जज गिरिबाला सिंह

अपनी बहू ट्विशा सिंह की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले में आरोपी बनाई गईं गिरिबाला सिंह अपना केस खुद लड़ेंगी। वह पहले सीनियर वकील और फिर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रह चुकी हैं। अपराध दर्ज होने वाले दिन ही उन्हें अग्रिम जमानत मिल गई थी। बताया जा रहा है कि उनके वकील इनोश जॉर्ज कार्लो, जिन्होंने भोपाल की अदालत में पक्ष रखकर अग्रिम जमानत दिलाई थी, वे साथ छोड़ चुके हैं। मीडिया कर्मियों से विवाद के बाद उन्होंने केस से अपना नाम वापस लेने का निर्णय लिया है। लिहाजा, कोई और वकील करने के स्थान पर गिरिबाला ने एक बार फिर कोर्ट के समक्ष बहस करने का मन बना लिया है।

सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश

पार्लर की मालकिन किरण परिहार ने एक बड़ा खुलासा किया है। किरण का दावा है कि घटना के अगले ही दिन ट्विशा की सास और रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने ट्विशा द्वारा ली गई सर्विसेज और सीसीटीवी रिकॉर्डर्स की जानकारी मांगी थी। किरण का आरोप है कि बाद में गिरिबाला सिंह ने 3-4 वकीलों को पार्लर भेजा ताकि वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर सकें। इस खुलासे के बाद सबूतों से छेड़छाड़ के आरोपों को और बल मिल गया है।

सीसीटीवी फुटेज ने खड़े किए सवाल

ट्विशा के ससुराल का सीसीटीवी फुटेज भी कई अनसुलझे सवाल छोड़ रहा है। फुटेज के मुताबिक, ट्विशा शाम करीब 7:20 बजे छत की तरफ ऊपर जाती हैं और लगभग एक घंटे बाद उनका पति समर्थ सिंह दो अन्य लोगों के साथ उनकी बॉडी नीचे लाता है। इस एक घंटे के दौरान क्या हुआ, यह अभी साफ नहीं है। नीचे लाने के बाद सीढ़ियों पर ही ट्विशा को सीपीआर दिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने में हुई देरी पर सवाल उठ रहे हैं।

जबलपुर में गिरफ्तारी से पहले ड्रामा

समर्थ की गिरफ्तारी से पहले जबलपुर कोर्ट में हाई-वोल्टेज घटनाक्रम देखने को मिला। मामले की पैरवी कर रहे ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि समर्थ सिंह जिला न्यायालय परिसर में जिला जज के केबिन में छिपकर बैठा हुआ था और उसने वहां से निकलकर भागने की कोशिश भी की। इस दौरान न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। आरोपी ने खुद को बचाने के लिए प्रयास किए और घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीच तनाव की स्थिति भी बनी रही। कुछ वकीलों और मीडिया वालों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। समर्थ की मां गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द करने पर भी हाईकोर्ट से फैसला होना है। 25 मई को इस मामले में सुनवाई की जानी है।

चीता हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय सेना का एक चीता लाइट हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह घटना बीते 20 मई को लद्दाख सेक्टर में हुई जिसकी जानकारी अब सामने आई है। नियमित उड़ान के दौरान इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट और डिवीजन कमांडर मेजर जनरल सचिन मेहता जख्मी हो गए, लेकिन अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, चीता लाइट हेलीकॉप्टर के दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति गठित की गई है। हादसे की वजहों का पता लगाया जा रहा है। गनीमत रही कि इन हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

तृणमूल काउंसलर संजयदास का लटकता हुआ शव बरामद

साउथ दमदम. एजेंसी

साउथ दमदम नगर निगम में तृणमूल कांग्रेस के काउंसलर संजय दास का लटकता हुआ शव बरामद हुआ है। उनका शव नॉर्थ 24 परगना जिले के दमदम इलाके में उनके ही घर के अंदर से मिला। शव को दमदम नागरबाजार इलाके के एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, वह राजरहाट गोपालपुर विधानसभा की पूर्व रूरु अदिति मुंशी के पति थे और तृणमूल नेता देवराज चक्रवर्ती के करीबी थे।

भारत की अपनी बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का परीक्षण

चांदीपुर। ओडिशा के चांदीपुर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से कम दूरी की मारक क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का आज सफल परीक्षण प्रक्षेपण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को प्रमाणित किया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। यह भारत की सामरिक रक्षा तैयारियों में एक और मील का पत्थर है और देश की न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता की विश्वसनीयता को मजबूत करता है। इस बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत के दुश्मन देशों के लिए बड़ी खतरे की घंटी माना जा रहा है।

मरीज के लिए इंडिगो की जबलपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

जबलपुर। डुमना एयरपोर्ट पर अहमदाबाद से रांची जा रहे इंडिगो के एक एयरबस 320 विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। अचानक हुई लैंडिंग को लेकर विमान के यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि विमान में सवार एक युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। इस पर डुमना एयरपोर्ट पर विमान की बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान के लैंड होते ही एयरपोर्ट प्रशासन और विमान कंपनी ने आनन-फानन में एम्बुलेंस बुलाकर मरीज को जबलपुर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद रात को इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया।

कलबुर्गी में भीषण सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जहां लाडलापुर के पास एक चार-पहिया वाहन की लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पांचों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। कर्नाटक पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में लाडलापुर के पास एक क्रूजर गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो जाने के बाद पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ए. श्रीनिवासुलु ने घटनास्थल का दौरा किया और दुर्घटना के कारणों का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया।

आरोपी के पास मिला घर का ब्लूप्रिंट

ट्रम्प की बेटी को दी थी जान से मारने की धमकी, इराकी युवक गिरफ्तार

वाशिंगटन डीसी/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी इवांका ट्रम्प को कथित तौर पर हत्या की धमकी दी गई थी। द न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के समर्थक आतंकी ने इवांका को निशाना बनाने की प्लानिंग की थी।

रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने 32 साल के एक इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल-सादी को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने इवांका की हत्या करने की कसम खाई थी। आरोपी के पास इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर

के फ्लोरिडा स्थित घर का ब्लूप्रिंट यानी नक्शा भी मिला था। उसने एक्स पर फ्लोरिडा इलाके का एक नक्शा पोस्ट किया था, जहां इवांका और जैरेड का करीब 24 मिलियन डॉलर का घर है। उसने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा था कि अमेरिका वाले यह समझ लें कि सिर्फ बड़ी सुरक्षा और सीक्रेट सर्विस से वे सुरक्षित नहीं रहेंगे। हम उन पर नजर रख रहे हैं और सही समय आने पर बदला लिया जाएगा।

ट्रम्प की मांगें शांति की राह में बन रहीं रोड़ा : अराघची

तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है।

चीन की कोयला खदान में विस्फोट, 90 लोगों की मौत

बीजिंग. एजेंसी

चीन के शांक्सी प्रांत स्थित 'लियुशेनयु' कोयला खदान में देर रात भयानक गैस विस्फोट हुआ। इस दुर्घटना में 90 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 9 मजदूर लापता हैं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग ने बचाव कार्य में पूरी ताकत झोंकने और घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।हादसे के वक्त खदान के भीतर 247 मजदूर काम कर रहे थे। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों से घायलों के इलाज और खोज व बचाव अभियान चलाने में कोई कसर न छोड़ने का आह्वान किया है। साथ ही, उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच करने और कानून के अनुसार कड़ी जवाबदेही तय करना का भी आदेश दिया। खदान के लिए जिम्मेदार कंपनी के अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है।

अभिजीत दीपके बोले - जान से मारने की धमकी मिली

नईदिल्ली. एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी का इंस्टाग्राम अकाउंट आज हैक होने का दावा किया गया है। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने सुबह एक्स पर लिखा कि वे पार्टी का इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि यूजर्स अकाउंट देख पा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर सुबह 10 बजे तक कॉकरोच जनता पार्टी के फॉलोअर्स 2 करोड़ 18 लाख हो गए हैं। एक्स पर भी पार्टी के फॉलोअर्स की संख्या आज सुबह तक 1 लाख 94 हजार से ज्यादा हो गई।

अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को दावा किया था कि उन्हें वॉट्सएप पर

कॉकरोच जनता पार्टी के इंस्टा पर फॉलोवर 2 करोड़ पार, अकाउंट हैक

जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उनके माता-पिता ने भी बेटे की गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। दीपके ने धमकी के स्क्रीन शॉट भी शेयर किए हैं। इसके अलावा दीपके कल पहली ऑनलाइन पिटीशन लेकर आए। इसमें उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। शनिवार सुबह 10 बजे तक ऑनलाइन पिटीशन में 5 लाख 68 हजार से ज्यादा लोग साइन कर चुके हैं। इससे पहले पार्टी का ट्विटर अकाउंट भी भारत में रोका गया था।

बेलगाम महंगाई : नौ दिनों में तीसरी बार आम आदमी पर बढ़ा बोझ

फिर बढ़े दाम, पेट्रोल 87 और डीजल 91 पैसे महंगा

नईदिल्ली. एजेंसी

जैसी कि आशंका व्यक्त की जा रही थी, देश में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे महंगा होकर 99.51 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसके दाम 92.49 रुपए पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में एक रुपए प्रति किलो बढ़ गई हैं। इस बदलाव के बाद दिल्ली में सीएनजी अब 81.09 रुपए किलो मिलेगी। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले सरकार ने 15 मई को सीएनजी के दाम 2 रुपए और फिर 18 मई को एक रुपए बढ़ाए थे। ईंधन की कीमतों में 9 दिन में यह तीसरी बढ़ोतरी है। 4 दिन पहले 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में एवरेज 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि, 15 मई को भी कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया गया था। लगातार महंगे होते ईंधन से ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे। इसी तरह ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।

मेट्रो एंकर — उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के सरकारी स्कूल की 13 साल की छात्राओं की सफलता

गांव की पगडंडी से एवरेस्ट बेस कैंप... बेटियों ने भरी हौसलों की उड़ान

लखनऊ, एजेंसी

कभी गांव की पगडंडियों पर नंगे पांव दौड़ने वाली बेटियों ने अब दुनिया के सबसे कठिन ट्रेकिंग अभियानों में अपनी ताकत का परचम लहरा दिया है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली 13 साल की इन बेटियों ने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचकर तिरंगा फहराया और यह साबित कर दिया कि सपनों की उड़ान के लिए किसी और चीज से ज्यादा हौसलों की जरूरत होती है।

बलरामपुर जिला प्रशासन की पहल पर शुरू हुई इस अनोखी यात्रा ने न सिर्फ इन लड़कियों की जिंदगी बदली, बल्कि देशभर की बेटियों के लिए प्रेरणा की नई मिसाल भी कायम कर दी। 7 मई को नेपाल के लिए रवाना हुईं निलांशु, प्रियंका प्रजापति और प्रियंका उपाध्याय ने 17 मई को 5,364 मीटर की ऊंचाई वाले एवरेस्ट बेस कैंप पहुंचकर तिरंगा

लहराया। उनके साथ बलरामपुर के सरकारी स्टेडियम की हैंडबॉल कोच हीना खातून भी मौजूद रहीं। यह तीनों लड़कियां महज 13 साल की हैं, लेकिन उनका साहस उम्र से कहीं बड़ा निकला। बलरामपुर के डीएम विपिन कुमार जैन ने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत यह पहल इसलिए की गई ताकि समाज को यह संदेश दिया जा सके कि किसी बच्चे की ऊंचाई उसके जन्मस्थान से नहीं, बल्कि मिले अवसरों और उसकी मेहनत से तय होती है। इसके लिए जिले के स्कूलों में स्पोर्ट्स कॉम्पीटीशन आयोजित किए गए, जहां शारीरिक क्षमता और खेल प्रतिभा के आधार पर इन बच्चियों को चुना गया। पूरे 17 दिन के इस अभियान की योजना, प्रशिक्षण और खर्च जिला प्रशासन ने उठाया।

संघर्षों से निकलीं , शिखर तक पहुंचीं

एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने वाली 13 साल की निलांशु बलरामपुर के पचपेड़वा ब्लॉक की रहने वाली हैं और थारू जनजाति से आती हैं। उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि मां आशा कार्यकर्ता हैं। दूसरी बेटी प्रियंका प्रजापति किसान परिवार से हैं और रामनगर के कंपोजिट स्कूल में पढ़ती हैं। खेलों में उनकी प्रतिभा पहले ही सामने आ चुकी थी और उन्हें बालिका प्रीमियर लीग में बेस्ट क्रिकेटर चुना गया था। वहीं प्रियंका उपाध्याय एक साधारण किसान परिवार से हैं और स्टेट लेवल की हैंडबॉल खिलाड़ी रह चुकी हैं। कम संसाधनों और मुश्किलों के बावजूद इन बेटियों ने कभी अपने सपनों को जाया नहीं होने दिया।

एवरेस्ट की राह ने बदली सोच

डीएम विपिन कुमार जैन के मुताबिक यह अभियान सिर्फ ट्रेकिंग नहीं था, बल्कि इन बेटियों के लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव साबित हुआ है। गांव और स्कूल तक सीमित रहने वाली इन बच्चियों ने पहली बार दुनिया के अलग-अलग देशों से आए ट्रेकर्स से मुलाकात की, नई संस्कृतियों को करीब से देखा और प्रोफेशनल माउंटेनियर की दुनिया को समझा। बलरामपुर की इन बेटियों की सफलता अब उन हजारों लड़कियों के लिए उम्मीद की किरण बन गई है, जो छोटे गांवों में बड़े सपने देखती हैं।

आज का कार्टून

नादरा बस स्टैंड बदहाल : कचरे के लगे ढेर, बंद पड़े प्याऊ

भोपाल। नादरा बस स्टैंड पर लंबे समय से गंदगी और अव्यवस्थाओं का आलम बना हुआ है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे होने से यात्रियों और आसपास के व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के इस मौसम में हालात और भी खराब होते जा रहे हैं, लेकिन नगर निगम का इस ओर कोई ध्यान दिखाई नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड पर लगे पानी के प्याऊ कई दिनों से खराब पड़े हुए हैं। दूर-दराज से आने वाले यात्री पेयजल के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी में ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बस स्टैंड परिसर में नियमित सफाई नहीं होने के कारण दुर्गंध फैल रही है। कचरे के ढेरों के आसपास मच्छरों और आवारा जानवरों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। यात्रियों का कहना है कि यह शहर का प्रमुख बस स्टैंड है, जहां हर दिन हजारों लोगों का आना-जाना रहता है, इसके बावजूद मूलभूत सुविधाओं की हालत बेहद खराब है। क्षेत्रीय लोगों और यात्रियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड परिसर में नियमित साफ-सफाई करवाई जाए, बंद पड़े प्याऊ को जल्द शुरू कराया जाए और यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

अविवादित मामलों में 30 दिन का नियम दरकिनार

जमीनों के नामांतरण पर ब्रेक, 428 तहसीलों में अटके 1.87 लाख मामले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की 428 तहसीलों में करीब एक लाख 87 हजार नामांतरण के प्रकरण अटके हुए हैं, जिनका निराकरण किया जाना है। यह सभी अविवादित नामांतरण के मामले हैं, लेकिन एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार स्तर पर किसी न किसी कारणों से यह लंबित बने हुए हैं। प्रदेश में सबसे अधिक गंभीर स्थिति भोपाल की तहसीलों व वृत्त कार्यालयों में बनी हुई है, जहां करीब 13 हजार से अधिक नामांतरण के प्रकरणों को निराकरण का इंतजार है। इनको लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को सभी राजस्व अधिकारियों के साथ पहली राजस्व बैठक लेते हुए एक महीने में निराकरण के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार प्रदेश के 55 जिलों में कुल 10 संभाग हैं, जिनमें 428 तहसीलें हैं। इनमें बंटवारा, सीमांकन और नामांतरण के अविवादित और विवादित प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। इन तहसीलों में अब तक 35 लाख 60 हजार 455 नामांतरण के अविवादित प्रकरण रजिस्टर्ड हुए थे, जिनमें से 33 लाख 72 हजार 645 का निराकरण किया जा चुका है। जबकि एक लाख 87 हजार 800 प्रकरण अब भी लंबित बने हुए हैं, जिनका किसी न किसी कारण से निराकरण नहीं हो सका है।

भोपाल की तहसीलों में 13,552 प्रकरण लंबित: इनमें सबसे अधिक नामांतरण के प्रकरण भोपाल की तहसीलों में करीब 13 हजार 552 अटके हुए हैं। यहां पर करीब एक लाख 66 हजार 759 नामांतरण के प्रकरण रजिस्टर्ड हुए थे और एक लाख 53 हजार 207 का निराकरण किया जा चुका है। सबसे अधिक हुजूर तहसील में पांच हजार 605, कोलार तहसील में तीन हजार 256, गोविंदपुरा में एक हजार 744, संत हिरदाराम नगर में एक हजार 138 प्रकरण लंबित हैं। जबकि एमपी नगर में 523, टीटी नगर में 323, बैरसिया में 876 और शहर वृत्त में 87 नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण किया जाना है।

> तहसीलों में लंबित राजस्व प्रकरणों की गुरुवार को राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गई थी। साथ ही तहसीलों में लंबित अविवादित नामांतरण प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।
> **- प्रियंक मिश्रा,** कलेक्टर

डिजिटल होने के बावजूद तय समय-सीमा में नहीं हो रहा काम

प्रदेश में नामांतरण प्रक्रिया पूरी तरह हो चुकी है डिजिटल। मध्य प्रदेश में अब संपत्ति या जमीन का नामांतरण करवाने की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल और पारदर्शी है। अब रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः शुरू हो जाती है, इसके अलावा विभिन्न पोर्टल पर जाकर स्वयं, कियोस्क व लोकसेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन कर नामांतरण करवाया जा सकता है। इसके लिए अविवादित मामलों में 30 दिन के अंदर निराकरण करने का प्रावधान है।

संतवाणी समारोह का सुरमयी आगाज

भारत भवन में राग, भक्ति और संतवाणी का संगम, सुरों की गहराई में डूबे श्रोता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बहुकला केंद्र भारत भवन में तीन दिवसीय 'संतवाणी समारोह' का सुरमयी आगाज़ हुआ। भक्तिकालीन काव्य, संत परंपरा और सूफियाना संवेदनाओं से सजे इस विशेष आयोजन ने श्रोताओं को अध्यात्म और संगीत की गहराइयों से रूबरू कराया। सभागार में जब संत कवियों की अमर वाणी सुरों में ढलकर गूंजी, तो पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो उठा। समारोह के प्रथम सत्र में पूर्वी सप्रे ने अपनी गंभीर और भावपूर्ण गायकी से संत साहित्य की आध्यात्मिक चेतना को स्वर दिए। उन्होंने संत तुलसीदास के पद 'ऐसो को उदार जग माही...' से प्रस्तुति का प्रारंभ किया। इसके बाद संत तुकाराम के प्रसिद्ध अभंग 'सुंदर ते ध्यान ऊभे विटे वरी...' की प्रस्तुति में भगवान विठ्ठल के दिव्य स्वरूप का अत्यंत मार्मिक चित्र उभरकर सामने आया। राग आधारित इस प्रस्तुति में भक्ति और लोकधुनों का सुंदर संतुलन दिखाई दिया। पूर्वी सप्रे ने गुरुनानक देव के पद 'सुमिरन कर ले मेरे मना...' को ऐसी सहजता से प्रस्तुत किया कि श्रोता आत्ममंथन की अनुभूति में डूबते चले गए।

वहीं संत कबीर के निर्भीक दर्शन से भरे पद 'जन्म तेरा बातों ही बीत गयो रे...' की प्रस्तुति में जीवन की क्षणभंगुरता और भक्ति की अनिवार्यता का भाव प्रभावी रूप से उभरा। कार्यक्रम का समापन संत मीराबाई के पद 'भोलानाथ दिगंबर ये दुख मेरे हरो...' से हुआ, जिसने पूरे सभागार को करुणा और समर्पण की अनुभूति से भर दिया। इस प्रस्तुति में तबले पर उस्ताद इकरार हुसैन ने लयकारी का प्रभावशाली संगत पक्ष प्रस्तुत किया। हार्मोनियम पर अतुल अर्चवाल, सारंगी पर शिराज हुसैन, तानपुरे पर शांभवी और शिविका सक्सेना तथा मंजीरे पर सुहास पाचखेड़े ने प्रस्तुति को सांगीतिक गहराई प्रदान की। दूसरे सत्र में सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी विशिष्ट शैली में संतवाणी की रसधारा प्रवाहित की। उन्होंने मंगलाचरण 'मंगल आरती आनंद कुंवर की...' से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसके बाद संत तुकाराम के अभंग 'काम क्रोध अभि वाहिले विठ्ठल...' को गंभीर आलाप और सूक्ष्म राग विस्तार के साथ प्रस्तुत किया। राग दरबारी में प्रस्तुत सूरदास के पद 'गिरधर मुरलीधर...' ने श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत की गंभीरता और भक्ति की माधुर्यपूर्ण अनुभूति से जोड़ दिया। वहीं निर्गुणी भजन 'गुरुजी जहां बैठूं वहां छाया जी...' की प्रस्तुति में लोक और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में भैरवी आधारित धुन 'सुन के मनवा मगन हुआ...' ने वातावरण को पूर्णतः सुरमय बना दिया।

लघुकथा में बंधन नहीं लेकिन अनुशासन होना ही चाहिए - डॉ. मिथलेश अवस्थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार और आलोचक डॉ. मिथिलेश अवस्थी ने कहा कि लघुकथा में बंधन नहीं है लेकिन अनुशासन होना बहुत आवश्यक है, साथ ही विषय चयन में बहुत सावधानी की आवश्यकता होती है।

वे लघुकथा शोध केंद्र समिति शाखा मुंबई (महाराष्ट्र)की ऑन लाइन गूगल गोष्ठी के लघुकथा पाठ एवं विमर्श में मुख्य समीक्षक वक्ता के रूप में बोल रहे थे। शाखा की सचिव डॉ. अलका अग्रवाल सिगतिया ने स्वागत उदबोधन देते हुए कार्यकम का सफल संचालन किया। इस लघुकथा गोष्ठी मे मृदुल प्रभा ने 'एक छोटी सी खबर' भगवती मित्तल नें 'माँ का आँचल' बिट्टू जैन सना ने 'हैलो डार्लिंग' तथा डॉ. ममता माली ने 'उपसर्ग एवं प्रत्यय' तथा 'दृष्टि बोध' लघुकथाओं का पाठ किया । गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कांता निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल ने कहा कि सभी लघुकथाकारों के प्रयास सराहनीय हैं और यह आयोजन सीखने - सिखाने की कार्यशाला हैं। लेखक को अपने सृजन में सतत सुधार की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में देश - प्रदेश के लगभग 50 लघुकथा लेखक उपस्थित थे, कार्यक्रम में रचना प्रस्तुत करने वाले लघुकथा लेखकों ने आभार प्रकट किया।

फैटी लिवर शोध और बाल न्यूरोरेडियोलॉजी पर मंथन

भोपाल। एम्स भोपाल में फैटी लिवर बीमारी की शुरुआती पहचान और बच्चों में मस्तिष्क संबंधी बीमारियों के निदान को लेकर महत्वपूर्ण शोध और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एमडी बायोकैमिस्ट्री की छात्रा डॉ. दीपा रोशनी द्वारा प्रकाशित शोध में एड्रोपिन और आइरिसिन को मेटाबोलिक-एसोसिएटेड फैटी लिवर डिजीज (एमएएफएलडी) के संभावित गैर-आक्रामक बायोमार्कर के रूप में रेखांकित किया गया है। शोध के अनुसार ये बायोमार्कर रोग की प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और रोग की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ट्रक की टक्कर से बालकनी क्षतिग्रस्त

कोरल वुड्स सोसायटी का मामला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोरल वुड्स सोसाइटी में शनिवार तड़के लगभग 3.30 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रेत से भरा ट्रक क्रमांक MP04YQ7766 कथित रूप से अनधिकृत तरीके से सोसाइटी के रिहायशी क्षेत्र में प्रवेश कर गया और सी-4 बिल्डिंग के पास से गुजरते समय फ्लैट नंबर सी4/104 की बालकनी से टकरा गया। घटना में बालकनी क्षतिग्रस्त हो गई तथा उसमें लगी लोहे की ग्रिल टूटकर नीचे गिर गई। बालकनी में रखे पौधे और गमले भी नीचे गिरकर टूट गए। गनीमत रही कि घटना के समय नीचे कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई। फ्लैट ओनर उर्वशी थम्बरे द्वारा घटना के वीडियो कॉलोनी के व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किए गए हैं। रहवासियों ने रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भारी वाहन बिना अनुमति सोसाइटी परिसर में कैसे प्रवेश कर गया, यह सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। रहवासियों ने ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा गार्डों के साथ-साथ हाउसकीपिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही एजेंसी और उसके संचालक संजय मिश्रा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंध में पूर्व में भी शिकायतें सामने आ चुकी हैं। मामले को गंभीर मानते हुए रहवासियों द्वारा मिसरोद थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है तथा संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। सोसाइटी निवासियों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने और बिना अनुमति भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर

प्राकृतिक चिकित्सा से सीखें निरोगी जीवन जीने की कला : टेवानी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र में रोग निवारण एवं प्रशिक्षण 10 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न शहरों से आए अनेक साधक अपक्वाहार (रॉ-फूड) और प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा और पोटली मसाज जैसी विधाओं से स्वास्थ्य लाभ लेने आए हैं।

शिविरार्थियों को प्राकृतिक चिकित्सा, उपवास, रसाहार और फलाहार के माध्यम से सदैव स्वस्थ रहने की कला सिखाई जा रही है। पहले दिन डॉक्टरों द्वारा पंजीयन व परामर्श के बाद मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि ने शरीर और विचारों की शुद्धि पर बल देते हुए कहा कि अस्वस्थ जीवनशैली, गलत खान-पान और नकारात्मक सोच ही बीमारियों की मुख्य वजह है। यदि हम मन में सकारात्मक विचार रखेंगे कि हम पूर्णतः स्वस्थ हैं, तो कभी बीमार महसूस नहीं करेंगे। शरीर से गंदगी बाहर निकालने के चार मुख्य रास्ते हैं– मल, मूत्र, पसीना और श्वास। जब शरीर में गंदगी जमा होती है, तभी रोग उत्पन्न होते हैं। एनिमा, उपवास और अपक्वाहार के विशेष प्रयोग से शरीर का शुद्धिकरण करके व्यक्ति स्वयं अपना चिकित्सक बन सकता है।

पंचतत्व चिकित्सा और डिटॉक्स

शिविर में साधकों का इलाज प्रकृति के पंचतत्वों यानी पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ डिजिटल डिटॉक्स भी कराया जा रहा है, जिसके तहत शिविरार्थियों को मोबाइल, लैपटॉप आदि गैजेट्स से दूर रहकर मानसिक शांति और तंदुरुस्ती का अनुभव कराया जा रहा है। आरोग्य केंद्र की इस नई पहल में 10 दिवसीय रोग निवारण शिविर के साथ हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किया गया है, ताकि साधक प्राकृतिक व उपवास चिकित्सा सीखकर प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकें और स्वयं के साथ अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकें।

आज गूंजेगी ए.आर. रहमान की सुरमयी आवाज, भेल दशहरा मैदान में आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में संगीत प्रेमियों के लिए खास मौका है। मशहूर संगीतकार और गायक ए. आर. रहमान 23 मई को शहर में लाइव कॉन्सर्ट करने जा रहे हैं। यह कार्यक्रम भेल दशहरा मैदान में आयोजित होगा, जिसकी शुरुआत शाम 7 बजे से होगी। कार्यक्रम में सभी के लिए प्रवेश खुला रहेगा।

रहमान के लाइव परफॉर्मेंस को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि भेल दशहजार मैदान में आयोजकों ने हजारों लोगों के बैठने का इंतजाम किया हे, इसके अलावा यहां पर एक भव्य सेट भी तैयार किया जा रहा है। बता दें कि एआर रहमान के साथ यहां ज्हान्वी कपूर और एक्टर राम चरण भी मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि लोग आज भी भेल दशहरा मैदान से फ्री पास लेकर इस लाइव कंसर्ट में शामिल हो सकते हैं। बता दें फिल्म पेद्दी 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ये एक पैन इंडिया फिल्म है। बुच्ची बाबू के निर्देशन में बनी इस फिल्म को एआर रहमान ने म्यूजिक दिया है। ये जान्हवी कपूर की दूसरी तेलुगु फिल्म है।

ऊर्जा विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

सोलर एनर्जी के उपयोग को प्रोत्साहित करें, उपकरणों की उपलब्धता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऊर्जा उत्पादन के पारम्परिक स्त्रोतों का उपयोग करते हुए राज्य में सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। किसानों के लिए सोलर पम्प और गांव से लेकर शहर तक घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोलर उपकरणों की उपलब्धता एवं उपयोग को प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री मंत्रालय में ऊर्जा विभाग के कार्यों की बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

सीएम ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रमुख नवाचारों की प्रशंसा की। बैठक में बताया गया कि गत ढाई वर्ष में प्रदेश में ड्रोन आधारित पेट्रोलिंग का नवाचार सफल हुआ है। इससे विद्युत लाइन ट्रिपिंग को 35 प्रतिशत कम करने और 220 केव्ही के लगभग 10 हजार टॉवरों के टॉप पेट्रोलिंग के कार्य में सफलता मिली है। इसी तरह वर्तमान में 400 और 132 केव्ही के 23 हजार टॉवरों के टॉप पेट्रोलिंग का कार्य ड्रोन द्वारा किया जा रहा है। इंसूलेटेड वर्क प्लेटफार्म का नवाचार भोपाल, जबलपुर, इंदौर और दमोह में किया गया। लाइनमैन द्वारा चालू लाइन में ही वेयर हेन्ड तकनीक और हॉट लाइन स्टिक तकनीक का कार्य इससे संभव होता है। गत वर्ष चालू लाइन में 257 परिचालन किए गए। परिचालन कर्मियों और प्रशिक्षु इंजीनियरों के प्रशिक्षण के लिए परिचालन सिम्युलेटर स्थापित किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने विश्वसनीय संचालन का प्रमाण देते हुए विद्युत गृहों द्वारा लगातार विद्युत उत्पादन किया गया है। गत 14 जनवरी को 19 हजार 895 मेगावॉट की सफलतापूर्वक पूर्ति इतिहास की सर्वाधिक पूर्ति है। ट्रांसमिशन कम्पनी का हानियां भी 2.60 प्रतिशत ही हैं। इसी तरह पारेषण उपलब्धता का प्रतिशत 99.52 है।

समाधान योजना 2025-26

समाधान योजना 2025-26 के अंतर्गत विलंबित बिल के भुगतान पर सरचार्ज में छूट का लाभ उपभोक्ताओं को दिया गया। कुल 1,970 करोड़ की देनदारियां निराकृत हुईं। उपभोक्ताओं को 473 करोड़ रूपए की सरचार्ज की राशि माफ की गई। स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों द्वारा 40 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में प्रीपेड मीटरिंग के अंतर्गत 47 हजार से अधिक मीटर प्रीपेड मोड पर संचालित हैं। इस कार्य में 139 प्रतिशत भौतिक प्रगति प्राप्त की गई।

प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ी

प्रदेश में मार्च 2024 में कुल विद्युत क्षमता में नवकरणीय ऊर्जा का प्रतिशत 25 था, जो मार्च 2026 में बढ़कर 33 हो गया है। दो वर्ष पहले जहां 5 हजार 690 मेगावॉट ऊर्जा नवकरणीय स्त्रोतों से उत्पादित की जा रही थी, वहीं अब यह 8 हजार 608 मेगावॉट तक पहुंच गई है। इस उपलब्धि में सर्वाधिक योगदान 5 हजार 376 मेगावॉट सौर ऊर्जा का है। प्रदेश में पवन और अन्य नवकरणीय ऊर्जा से 3 हजार 232 मेगावॉट ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय और ऊर्जा विभाग श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि विभाग द्वारा मंत्रिपरिषद के निर्णयों के पालन, राजस्व आय में वृद्धि, घोषणाओं को पूर्ण करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई। विद्युत अधोसंरचना की वृद्धि के साथ विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ परिणाम लाने के निर्देश दिए गए हैं। केन्द्र शासन से बेहतर समन्वय के कारण जबलपुर आईलैंडिंग योजना के क्रियान्वयन के लिए 5.08 करोड़ रूपए के केन्द्रीय अनुदान की मंजूरी मिली है। राज्य भार प्रेषण केन्द्र की सायबर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी 13.61 करोड़ रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। केन्द्र सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से प्राप्त अनुदान से प्रदेश में ओपीजीडब्ल्यू (ऑप्टिकल ग्राउंड वायर) की 10 हजार 752 किलोमीटर लाईन में सफलतापूर्वक स्थापना संभव हुई।

इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में भी स्थिति चिंताजनक

जिस प्रदेश में नदी-तालाब थे जीवन का आधार, वहां अब जल संकट से हाहाकार

प्यासी धरती... प्यासे लोग, व्यवस्था के सभी दावे हुए फेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पूरा देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। उत्तर भारत से लेकर मध्य और पश्चिमी राज्यों तक तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में भी लू और अत्यधिक गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मध्य प्रदेश की तपती धरती इन दिनों केवल गर्मी नहीं झेल रही, बल्कि प्यास से उसका गला भी सूख रहा है। इस प्यास ने व्यवस्था से जो आस थी उसकी विफलता को भी बयां कर दिया है। मध्य प्रदेश के गांवों में, पीने का पानी चुपचाप एक जन-स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन की एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि राज्य में ग्रामीण इलाकों के पीने के पानी का एक-तिहाई से ज्यादा हिस्सा इंसानों के पीने लायक नहीं है, जिससे लाखों लोग ऐसे प्रदूषण के संपर्क में आ रहे हैं जो दिखाई नहीं देता, लेकिन जानलेवा है।

4 जनवरी, 2026 को जारी कार्यक्षमता मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में पानी के केवल 63.3त्न नमूने ही गुणवत्ता परीक्षणों में पास हुए, जबकि राष्ट्रीय औसत 76 फीसदी था। इसका मतलब है कि राज्य में ग्रामीण इलाकों के पीने के पानी के 36.7 फीसदी नमूने असुरक्षित पाए गए, जिनमें बैक्टीरिया या रासायनिक प्रदूषण मौजूद था। ये नमूने सितंबर-अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश के 15,000 से ज्यादा ग्रामीण घरों से इकट्ठा किए गए थे। उन जगहों पर तो स्थिति और भी अधिक चिंताजनक है, जहां लोगों के इलाज और सुरक्षा की उम्मीद की जाती है। स्कूलों में, 26.7 फीसदी नमूने माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षणों में फेल हो गए, जिससे बच्चे रोजाना प्रदूषित पानी के संपर्क में आ रहे हैं।

आदिवासी जिलों में सुरक्षित पानी की कोई व्यवस्था नहीं

अनूपपुर और डिंडोरी जैसे आदिवासी-बहुल जिलों में पानी का एक भी नमूना सुरक्षित नहीं पाया गया। बालाघाट, बैतूल और छिंदवाड़ा में पानी के 50फीसदी से ज्यादा नमूने प्रदूषित पाए गए। मध्य प्रदेश में केवल 31.5 फीसदी घरों में ही नल के कनेक्शन हैं, जो राष्ट्रीय औसत 70.9फीसदी से काफी कम है। जहां पाइपलाइनें मौजूद भी हैं, वहां भी व्यवस्था टूटी हुई है। 99.1फीसदी गांवों में पाइप से पानी की सप्लाई होती है, लेकिन केवल 76.6 फीसदी घरों में ही नल काम कर रहे हैं। इसका मतलब है कि हर चौथे घर में या तो नल खराब है, या फिर पानी बिल्कुल नहीं आता। इससे भी बुरी बात यह है कि नल का पानी होने का मतलब यह नहीं है कि वह सुरक्षित भी है। इंदौर जिले में जिसे आधिकारिक तौर पर 100 फीसदी कनेक्टेड घोषित किया गया है, केवल 33फीसदी घरों को ही सुरक्षित पीने का पानी मिल पाता है।

पूरे राज्य में पानी के 33% सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए

पूरे राज्य में पानी के 33 फीसदी सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए, जिससे यह बात पक्की हो गई कि यह संकट सिर्फ पानी की पहुंच का नहीं, बल्कि जहरीले पानी की सप्लाई का है। केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर पानी की क्वालिटी में सुधार नहीं हुआ, तो इस साल मिलने वाली फंडिंग में कटौती की जा सकती है। यह चेतावनी एक दुखद घटना के बाद आई। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 18 लोगों की मौत हो गई और काफी संख्या में लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट कह चुका है कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में साफ पीने के पानी का अधिकार भी शामिल है। लेकिन स्थिति में बदलाव कम ही नजर आ रहे हैं।

ग्वालियर में मई की शुरुआत से शुरू हो गया था जल संकट

विडंबना देखिए, पिछले साल प्रदेश में औसत से अधिक बारिश हुई थी। फिर भी ग्वालियर जैसे शहरों में मई की शुरुआत से जल संकट दस्तक देने लगा। तिघरा बांध का जलस्तर घट रहा है और नगर निगम एक दिन छोड़कर पानी देने की तैयारी कर रहा है। सवाल यह है कि जब बारिश पर्याप्त हुई, तो पानी गया कहां? क्या हमारे शहर केवल बारिश पर निर्भर हैं और जल संरक्षण केवल भाषणों का हिस्सा बनकर रह गया है?

इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में भी स्थिति चिंताजनक

इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। कहीं टैंकरों से पानी बेचने की शिकायतें हैं, तो कहीं लोग इस बात से नाराज हैं कि पानी की टंकियां आधी खाली हैं, लेकिन उनसे टैंकर भरकर निजी सप्लाई हो रही है। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि उस संवेदनहीनता का उदाहरण है जिसमें किसी की प्यास भी कमाई का जरिया बन जाती है। सबसे दुखद यह है कि जल संकट अब केवल ग्रामीण समस्या नहीं रहा। यह सामाजिक संकट बन चुका है। पानी के लिए रोज होने वाले छोटे-छोटे झगड़े, घंटों की लाइनें, महिलाओं का बढ़ता श्रम, बच्चों की पढ़ाई पर असर और दूषित पानी से फैलती बीमारियां, यह सब मिलकर आने वाले समय का भयावह संकेत दे रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026: भोपाल की कड़ी परीक्षा

गली-गली घूमी टीम, 100 से ज्यादा जगहों पर पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत केंद्रीय मूल्यांकन टीम ने भोपाल में दो दिनों के भीतर 100 से ज्यादा स्थानों का निरीक्षण किया। टीम ने सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, स्कूल, पार्क और कचरा प्रबंधन की जमीनी स्थिति जांची तथा आम लोगों से फीडबैक भी लिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत भोपाल पहुंची केंद्रीय मूल्यांकन टीम ने शहर में निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। सिर्फ दो दिनों में छह सदस्यीय टीम ने पुराने और नए भोपाल के 100 से ज्यादा स्थानों का दौरा कर सफाई व्यवस्था, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं की जमीनी हकीकत परखी। भोपाल नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक टीम ने शहर के पार्क, गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट, सुलभ कॉम्प्लेक्स, सरकारी स्कूल, बाजार, फाउंटेन और वेस्ट टू वंडर साइट्स का निरीक्षण किया। टीम ने चौक बाजार, टीला जमालपुरा, नारियल खेड़ा, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, एमपी नगर, अयोध्या नगर, माक्ट चौराहा और मिंटो हॉल समेत कई इलाकों का दौरा किया।

पंजाबी बाग की थीम पेंटिंग देख रुकी टीम

निरीक्षण के दौरान पंजाबी बाग इलाके में मछली एक्वेरियम थीम पर बनी दीवार पेंटिंग और गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को सुंदर सार्वजनिक स्थल में बदले जाने से टीम काफी प्रभावित नजर आई। टीम के सदस्यों ने यहां रुककर सेल्फी भी ली।

स्कूलों-टॉयलेट की जांच

स्वच्छ सर्वेक्षण टीम ने सरकारी स्कूलों में पहुंचकर टॉयलेट की सफाई, कैंपस की स्वच्छता और हाइजीन व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं सुलभ कॉम्प्लेक्स और कचरा प्रभावित क्षेत्रों में नियमित सफाई और रखरखाव की स्थिति भी जांची गई। सुबह करीब 9 बजे से टीम ने बैरागढ़ स्थित जोन-1 में अचानक निरीक्षण शुरू किया। यहां गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, पार्क, बाजार और बस स्टैंड की स्थिति देखी गई। इसके बाद इदगाह हिल्स, कमला पार्क, मंगलवारा, इतवारा और करोंद-भानपुर इलाके में निरीक्षण किया गया।

लोगों से भी लिया फीडबैक

टीम ने निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए आम लोगों से सीधे बातचीत कर फीडबैक भी लिया। नागरिकों की प्रतिक्रियाओं को वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए सर्वे दस्तावेज का हिस्सा बनाया गया। वार्ड 13, 18, 21, 22, 42 और 76 के पार्कों का भी निरीक्षण किया गया। टीम ने कर्मचारियों से पौधों की देखभाल, पेड़ों की स्थिति, सफाई व्यवस्था और रखरखाव को लेकर चर्चा की।

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव...

एसआईआर के बाद बनी मतदाता सूची से ही होंगे इलेक्शन, राज्य निर्वाचन आयोग की बड़ी तैयारी

दावे और आपत्तियां ऑनलाइन लेने वाला एमपी देश का पहला राज्य

भारत और राज्य निर्वाचन आयोग की सूचियों में 57 लाख का अंतर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्ष 2027 में संभावित नगरीय निकाय चुनावों की दृष्टि से राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम भले ही शुरू कर दिया है, पर चुनाव विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के आधार पर तैयार मतदाता सूची से ही कराए जाएंगे। अगले वर्ष जनवरी में भारत निर्वाचन आयोग से जारी होने वाली सूची को पुनरीक्षित कर चुनाव कराने की तैयारी है।

बता दें कि एसआइआर के बाद बनी भारत निर्वाचन आयोग की सूची की तुलना में राज्य निर्वाचन आयोग की सूची में 57 लाख मतदाताओं के नाम अधिक हैं। प्रदेश में एसआइआर के बाद जारी मतदाता सूची में पांच करोड़ 39 लाख वोटर हैं। यह सूची विधानसभावार है। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार जिलेवार सूची में पांच करोड़ 96 लाख मतदाता हैं। कारण यह कि एसआइआर के बाद तैयार सूची में डुप्लीकेट व मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, पर राज्य निर्वाचन आयोग की सूची में ये नाम आज भी दर्ज हैं।

ऑनलाइन दावे-आपत्तियां लेने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य

मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम 23 अप्रैल से प्रारंभ किया गया है। इसमें 15 से 25 मई के बीच दावे-आपत्तियां मांगे गए हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन मिलाकर लगभग छह हजार आपत्तियां मिल चुकी हैं। मप्र पहला राज्य है जहां स्थानीय चुनाव में दावे-आपत्तियां ऑनलाइन देने की सुविधा भी दी गई है।

जनवरी 2027 में मिलेगी अंतिम विधानसभावार सूची

प्रतिवर्ष 24 जनवरी की स्थिति में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्यों को सूची दी जाती है, पर इस बार एसआइआर के चलते नहीं दी गई। जनवरी 2027 में सूची मिलने पर उसका पुनरीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद जारी अंतिम सूची के आधार पर नगरीय निकायों के चुनाव कराए जाएंगे। बता दें कि वर्ष 2027 में 413 नगरीय निकाय और 23 हजार ग्राम पंचायतों में चुनाव संभावित हैं। इसकी तैयारी राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रारंभ कर दी है।

भोपाल में 1 से 12 जून तक अग्निवीर ऑनलाइन परीक्षा

भोपाल। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ÷ज्वाइन इंडियन आर्मी÷ की वेबसाइट पर पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) एक से 12 जून तक भोपाल के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगा। इस वर्ष से अग्निवीर क्लर्क और स्टोर कीपर (टेक्निकल) के पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड 15 मई 2026 से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं, जहां से अभ्यर्थी इन्हें डाउनलोड कर सकते हैं।

खाद्य विभाग ने दो महीने पहले किया था ब्लैकलिस्ट

विधायक के वेयरहाउस को फिर से बना दिया गेहूं खरीदी केंद्र

अधिकारियों ने गुपचुप तरीके से पहली यूनिट में शुरू करवाई खरीदी

भोपाल , दोपहर मेट्रो

राजधानी के बैरसिया विधायक विष्णु खत्री का भागवती वेयर हाउस दो महीने बाद फिर से चर्चा में आ गया है। इस वेयर हाउस को खाद्य विभाग ने समय से पहले समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी करने के मामले में ब्लैक लिस्ट कर दिया था। इसके बाद अधिकारियों ने गुपचुप तरीके से वेयरहाउस की पहली यूनिट को उपार्जन केंद्र बनवाकर करीब ढाई हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी करवा दी है। सूत्रों के अनुसार बैरसिया के तरावली कलां में भाजपा विधायक विष्णु खत्री का भागवती वेयर हाउस स्थित है, जिसकी दूसरी यूनिट को उपार्जन केंद्र बनाया गया था। इस केंद्र पर खरीदी शुरू होने से पहले ही 35 किसानों से छह हजार 500 क्विंटल गेहूं खरीदकर रखवा दिया गया था। जिसकी जानकारी मिलते ही खाद्य विभाग की टीम ने जांच करने के बाद विपणन सहकारी समिति बैरसिया और भागवती वेयरहाउस को ब्लैक लिस्ट कर दिया था। साथ ही समर्थन मूल्य के लिए बनाए गए उपार्जन केंद्रों की सूची से वेयरहाउस की दूसरी यूनिट को अलग कर दिया गया था।

अब तक ढाई हजार क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका

इसके बाद से यहां पर खरीदी बंद कर दी गई थी। इसी बीच अधिकारियों ने वेयरहाउस की पहली यूनिट को 10 दिन पहले उपार्जन केंद्र बनाते हुए समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू करवा दी। इस पर अब तक करीब ढाई हजार क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है।

दोपहर मेट्रो — आईएसएससी 2026 में देशभर में हासिल किया प्रथम स्थान

बालाघाट के सांदीपनि विद्यालय का छात्र जाएगा नासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के बालाघाट जिले स्थित सांदीपनि विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र श्री मयंक मात्रे ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल कर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। आईएसएससी 2026 में मयंक मात्रे ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता के आधार पर उनका चयन प्रतिष्ठित नासा एजुकेशन टूर के लिए हुआ है। श्री मयंक की यह उपलब्धि प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा उनकी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। मध्यप्रदेश के सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचार आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिले के सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के कक्षा 12वीं के छात्र मयंक मात्रे ने आईएसएससी में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के साथ उन्हें Grand Winner घोषित किया गया तथा आगामी सितंबर 2026 में आयोजित होने वाले निःशुल्क नासा एजुकेशन टूर (के लिये चयनित किया गया है। यह प्रतियोगिता GoyGuru द्वारा देशभर के स्कूल एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों को आईएसएससी 2026 प्रतियोगिता की जानकारी दिए जाने के बाद इच्छुक विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में मयंक ने 8 अप्रैल 2026 को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में भाग लिया। 4 मई को घोषित परिणामों में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक-5 प्राप्त कर देशभर के शीर्ष 17 विद्यार्थियों में स्थान बनाते हुए फाइनल राउंड के लिए चयनित हुए। इसके बाद 15 मई 2026 को जूम के माध्यम से आयोजित लाइव फाइनल राउंड में नासा से संबद्ध शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रतिनिधियों एवं GoyGuru टीम की उपस्थिति में प्रतियोगिता आयोजित की गई।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए गिया गया चयन

इस उपलब्धि के अंतर्गत मयंक का चयन आगामी नासा शैक्षणिक भ्रमणके लिए किया गया है। इस दौरान उन्हें केनेडी स्पेस सेंटर, ऑरलैंडो का भ्रमण, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय परिसर का अवलोकन, थीम पार्क अनुभव तथा डिज़्नी स्प्रिंग्स जैसी शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा। मयंक ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी निरंतर मेहनत, अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि वे नियमित अध्ययन के साथ ISRO, NASA एवं Space Science से संबंधित विषयों का लगातार अध्ययन करते रहे। गौरतलब है कि विद्यालय के उप प्राचार्य श्री हुमराज पटले के नेतृत्व में विद्यालय में विज्ञान, नवाचार एवं समग्र विकास आधारित गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यालय में नियमित अकादमिक संवाद, शिक्षक समीक्षा बैठकें, योजनाबद्ध शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिये विभिन्न प्रक्रियाएँ संचालित की जाती हैं। साथ ही, पीपल संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे सतत शैक्षणिक सहयोग, प्रशिक्षण आधारित मार्गदर्शन, अकादमिक सुझावों एवं विभिन्न शिक्षण प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने विद्यालय में शिक्षण गुणवत्ता, अकादमिक संवाद एवं सीखने के वातावरण को और अधिक बेहतर एवं परिणामोन्मुख बनाया है।

दादागीरी की कोई सीमा है या नहीं ?

अब तो दुनिया के हर कोने में लोगों के मन में यह सवाल पैदा होने लगा है कि अमेरिका की दादागीरी का कोई अंत है भी या नहीं? अमेरिका उस डॉन की तरह हो गया है जिसके लिए कोई भी नियम कानून मायने नहीं रखता है। ताजा मामला क्यूबा को लेकर है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में दो नागरिक विमानों को मार गिराने और अमेरिकी नागरिकों की हत्या के आरोप में आपराधिक मुकदमा दर्ज किया है।

फरवरी 1996 में क्यूबा के लड़ाकू विमानों ने मियामी के 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को मार गिराया था। उस वक्त राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उनकी उम्र अब करीब 94 साल है। सवाल यह उठ रहा है कि घटना के तीस साल बाद कास्त्रो पर मुकदमा क्यों दर्ज किया गया? यदि मुकदमा दर्ज करना ही था तो उसी वक्त किया जाना चाहिए था ! जाहिर सी बात है कि ट्रम्प के मन में कुछ खास चल रहा है। क्यूबा के बारे में एक बात जान लेना जरूरी है कि 1959 में फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में हुई क्रांति में अमेरिका समर्थित सरकार को उखाड़ फेंका गया था। अमेरिका ने 1960 से क्यूबा पर व्यापक आर्थिक प्रतिबंध लगाया हुआ है और उसे आतंकवाद के प्रायोजक देशों की सूची में भी डाल रखा है। 2015 में बराक ओबामा के कार्यकाल में संबंधों में सुधार की कोशिश हुई लेकिन ट्रम्प ने सत्ता में आते ही प्रतिबंध फिर से कड़े कर दिए। दरअसल ट्रम्प की कोशिश है कि क्यूबा में अमेरिका समर्थित सरकार वजूद में आए। क्यूबा के नागरिक बिजली, भोजन और ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं और उन्हें सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्यूबा के लोगों को सौ मिलियन डॉलर की सहायता की पेशकश भी कर दी है। साफ लग रहा है कि कास्त्रो के बहाने अमेरिका क्यूबा पर हमला कर सकता है और वहां की सरकार को पलट सकता है।

वेनेजुएला में अमेरिका की दादागीरी दुनिया देख चुकी है और आश्चर्यजनक है कि चीन और रूस जैसी महाशक्तियां चुप्पी साधे बैठी रहीं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन पर विभिन्न आरोपों में मुकदमा चल रहा है। अमेरिका ने कोशिश की थी कि ईरान की सत्ता को भी उखाड़ फेंके लेकिन ईरान ने ऐसा करारा जवाब दिया है कि यह मसला ट्रम्प से न निगलते बन रहा है और न ही उगलते. अब बारी क्यूबा की है।

तो क्या क्यूबा में ट्रम्प ऐसा कुछ करेंगे? जैसे ही राउल कास्त्रो के खिलाफ मुकदमे की घोषणा हुई, चीन और रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चीन की प्रतिक्रिया काफी तीखी है और उसमें ट्रम्प के लिए संदेश भी छिपा हुआ है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने साफ कहा है कि अमेरिका को हर बात पर बल प्रयोग की धमकी देना बंद करना चाहिए। चीन, क्यूबा के समर्थन में मजबूती से खड़ा है। इस बयान से ऐसा लग रहा है कि ट्रम्प ने क्यूबा पर हमले की यदि कोशिश की तो चीन और रूस चुप बैठने वाले नहीं हैं। अमेरिका पूरी दुनिया में इस समय बेलगाम दादागीरी चला रहा है। आखिर उस पर लगाम लगाने के रास्ते तो दुनिया को तलाशने ही होंगे अन्यथा दुनिया अशांत बनी रहेगी।

विपक्षी नेताओं की समझ और विश्व अशांति के दौर में भारत की संयमित आवाज

डॉ राघवेंद्र शर्मा

मप्र योग आयोग के अध्यक्ष

हम में कब, कहां, क्या, बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब, कहां, क्या, करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं - बिना बिचारे जो करे सो पांछे से पछताय। काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।। अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक-दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है।

मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालात से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं।

नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक-दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानी असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे-झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही !

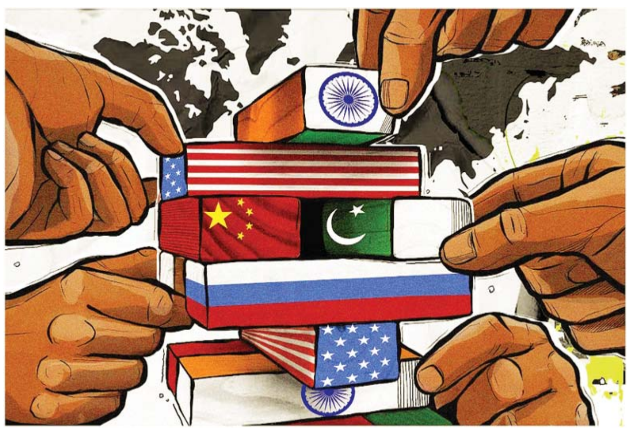

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं।

बड़बोले नेताओं के देश ईंधन से वंचित होकर बर्बादी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईंधन है भी तो दाम दुगने चौगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजराइल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं।

इसी परिपक्वता का परिणाम है कि प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में जब 5 देशों की यात्रा पर गए तो हमेशा की तरह इस बार भी वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने उनका बढ़-चढ़कर सम्मान किया। यहां तक कि उन्हें सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किए जाने की श्रृंखला लंबी होती रही। यही नहीं, उक्त देशों ने भारत के साथ आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के मामलों में बेहद प्रसन्नता के साथ अनुबंध किये।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती !

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

नक्सलवाद की ढहती दीवारें, मप्र में दृढ संकल्प के साथ चला अभियान

कृष्णमोहन झा

स्तंभकार

भारत में नक्सलवाद लंबे समय तक आंतरिक सुरक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है। जंगलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में फैला यह लाल आतंक केवल हिंसा तक सीमित नहीं था, बल्कि उसने विकास, लोकतंत्र और जनविश्वास को भी प्रभावित किया। मध्य प्रदेश का बालाघाट क्षेत्र भी वर्षों तक इस चुनौती से जूझता रहा। लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। मध्य प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ जिस प्रभावी रणनीति और दृढ़ संकल्प के साथ अभियान चलाया है, वह आज पूरे देश के लिए एक मॉडल बनता दिखाई दे रहा है।

इस परिवर्तन के पीछे मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्पष्ट नेतृत्व और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी गंभीर सोच महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगातार यह संदेश दिया कि प्रदेश में विकास और सुरक्षा साथ-साथ चलेंगे तथा नक्सलवाद जैसी चुनौती को किसी भी स्थिति में बढ़ने नहीं दिया जाएगा। उनके मार्गदर्शन में सुरक्षा एजेंसियों को बेहतर समन्वय, संसाधन और आधुनिक रणनीति के साथ कार्य करने का अवसर मिला।

इसी के साथ पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के नेतृत्व ने नक्सल विरोधी अभियान को नई दिशा दी। उन्होंने केवल ऑपरेशन आधारित दृष्टिकोण तक सीमित न रहकर इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने, सीमावर्ती राज्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने और हॉक फोर्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं संसाधनों से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सली गतिविधियों पर लगातार प्रभावी प्रहार किए और उनके नेटवर्क को कमजोर करने में सफलता प्राप्त की।

मध्य प्रदेश पुलिस की इसी उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने बस्तर में आयोजित 'उद्घोष बस्तर' कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाणा, वरिष्ठ अधिकारियों और हॉक फोर्स के जवानों को सम्मानित किया। यह सम्मान नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

पिछले दो वर्ष की उपलब्धियां बताती हैं कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच सात बड़ी मुठभेड़ हुई, जिनमें कई इनामी नक्सली मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार जब्त किए गए। वर्ष 2025 में यह अभियान और अधिक प्रभावी हुआ, जब दस बड़ी मुठभेड़ में दस माओवादी ढेर किए गए। यह किसी एक वर्ष में मारे गए माओवादियों की सर्वाधिक संख्या मानी जा रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब नक्सली संगठनों का मनोबल टूटता दिखाई दे रहा है। कई बड़े माओवादी कमांडरों ने आत्मसमर्पण किया है। यह केवल सुरक्षा बलों की सामरिक सफलता नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी नक्सलवाद की पराजय का संकेत है।

हालांकि यह सफलता आसान नहीं थी। 1991 से लेकर अब तक नक्सलियों ने कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया, जिनमें अनेक पुलिसकर्मी शहीद हुए। लैंडमाइन ब्लास्ट, घात लगाकर किए गए हमले और राजनीतिक हत्याओं ने प्रदेश को लंबे समय तक प्रभावित किया। लेकिन सुरक्षा बलों के साहस और नेतृत्व की दृढ़ता ने परिस्थितियों को बदल दिया।

आज मध्य प्रदेश में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और बारूद का वातावरण था, वहां अब विकास, शिक्षा और विश्वास की नई रोशनी दिखाई दे रही है। यह उपलब्धि केवल पुलिस या सरकार की सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र और जनविश्वास की विजय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन, डीजीपी कैलाश मकवाणा के कुशल नेतृत्व और हॉक फोर्स के जवानों के अदम्य साहस ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, रणनीतिक सोच और जमीनी कार्रवाई एक साथ हों, तो सबसे कठिन आंतरिक चुनौती पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

कम उम्र के वयस्कों में बढ़ती किडनी स्टोन की समस्या, समय से इलाज जरूरी

किडनी स्टोन की समस्या काफी आम हो गई है और भारत में यह जवान व कम उम्र के वयस्कों में काफी ज्यादा देखी जा रही है। इसके पीछे लाइफस्टाइल, अत्यधिक गर्मी और कुछ चीजों का सेवन हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार आजकल इन लोगों में 20 साल से 40 साल की उम्र के लोगों की तादाद तेजी से बढ़ जा रही है, लेकिन पहले यह समस्या बुजुर्गों में ज्यादा देखी जाती थी

अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में दिल्ली व अन्य शहरों के डॉक्टरों के पास आने वाले किडनी स्टोन के 20 से 40 साल के मरीजों की संख्या 30-40 प्रतिशत बढ़ जाती है। इस वजह से नौकरी करने वाले, कॉलेज जाने वाले, जिम जाने वाले और किशोरों में गुर्दे की पथरी के कारण होने वाले पेट दर्द, पेशाब में जलन और बार-बार यूरीन इंफेक्शन जैसे लक्षण काफी देखे जाते हैं।

किडनी स्टोन के मामले बढ़ने की एक वजह भारत में बढ़ता हुआ तापमान व गर्मी है। गर्मी में पसीना ज्यादा निकलने की वजह से शरीर से काफी मात्रा में फ्लूइड निकलता है। जिस वजह से यूरिन कंसंट्रेटेड हो जाता है और कैल्शियम, ऑक्सालेट और यूरिक एसिड के क्रिस्टल बनने का खतरा बढ़ जाता है। काम, ट्रेवल और एक्सरसाइज के लिए काफी युवा घर से बाहर समय बिताते हैं और इस दौरान पर्याप्त पानी नहीं पी पाते। एयर कंडीशनर वाली जगहों पर काम करने के कारण लोगों को प्यास भी कम लगती है और पानी का सेवन कम हो जाता है। चुपचाप होने वाली इस डिहाइड्रेशन की वजह से किडनी स्टोन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। यूरिन का उत्पादन कम होने की वजह से पथरी बनाने वाले साल्ट का लेवल शरीर में बढ़ जाता है। जिस वजह से डॉक्टर गर्मी और हीटवेव के दौरान गुर्दे की पथरी के मामलों में बढ़ोतरी पाते हैं।

प्रोसेस्ड फूड और फास्ट फूड: प्रोसेस्ड और फास्ट फूड वाली लाइफस्टाइल आपकी किडनी हेल्थ को भी खराब करती है। पिछले 10 सालों में भारतीय युवाओं की खाने की आदतों में तेजी से बदलाव आया है। इंस्टेंट नूडल्स, पैकेज्ड फूड, क्विक फूड, शुगरी ड्रिंक्स, प्रोसेस्ड स्नैक और ज्यादा नमक वाली मील लेना काफी आम हो गया है। इन मील के अंदर सोडियम, बैड फैट्स, प्रीजर्वेटिव और एडिटिव्स की अधिक मात्रा होती है, जो किडनी पर दबाव डालती है। ज्यादा नमक लेने से शरीर ज्यादा मात्रा में कैल्शियम को यूरिन में छोड़ता है, जो पथरी का कारण बन सकता है। इसी तरह फिज वाली ड्रिंक्स और शुगरी ड्रिंक्स डिहाइड्रेशन करती हैं और शरीर के मिनरल बैलेंस को बिगाड़ देती हैं।

निशाना

हर पल विष पीती हैं...!

राजेश ' अग्रहरि '

बेटियॉं मायके में निश्चिंत जीतीं हैं,
बाहर हर पल घुट- घुट कर विष पीतीं हैं,
मायके में भाई बहन रक्षा बंधन है,
अन्यत्र स्त्री फ़कत एक मनोरंजन है,
विद्यालय कार्यालय भी बदनाम हुए,
अस्पताल थाने तक में अपमान हुए,
मॉडर्न सुन्दर संस्कारी बहू चाहिए !
कुशल गृहिणी दुधारू गऊ चाहिए,
पति परमेश्वर लोभी दलाल काल हुए,
खुली जेल काल कोठरी ससुराल हुए,
थाने रिश्वत ले न्यायालय तारीख दे सो गए,
बेटी के स्वप्न बहू बन आंसुओ में बह गए !

टेक्नो अपडेट

बीएसएनएल हुआ अपग्रेड, मोबाइल टावरों में स्वदेशी तकनीक वाला दुनिया का चौथा देश बना भारत

BSNL की 4G सेवाएं लॉन्च होने से सरकारी कंपनी को बड़ा अपग्रेड मिला है। सरकार ने पिछले साल बीएसएनएल 4G को लॉन्च किया था और अब इसे नेक्स्ट लेवल पर ले जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल टावरों में स्वदेशी तकनीक फिट करके लोगों को टेलिकॉम सेवाएं देने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है भारत। इसने खुद के टेलीकॉम रेडियो नेटवर्क इक्विपमेंट डेवलप किए हैं। हालांकि अभी भी बीएसएनएल को मोबाइल टावरों की जरूरत है।

ईटी टेलिकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, टेलिकॉम इक्विपमेंट मार्केट में अभी एरिक्सन, नोकिया समेत चीन की हुवावे और जेडटीई का जलवा है। लेकिन भारत की टीसीएस, तेजस नेटवर्क्स और सरकारी संस्था C-DoT ने मिलकर जिस तरह से देश में बीएसएनएल 4जी को पहुंचाया है, उसने भारत को आत्मनिर्भर बनने की ओर आगे बढ़ा दिया है। TCS, तेजस नेटवर्क्स और सी-डॉट ने देश में बीएसएनएल के लिए 1 लाख 4त्र साइट्स लगाई हैं। तेजस नेटवर्क्स का मकसद स्वदेशी तकनीक को विदेशों तक पहुंचाना है और वह ग्लोबल कंपनियों से बात कर रही है।

BSNL ने दूर की कई चुनौतियां: BSNL के सामने अपने नेटवर्क को अपग्रेड करने के साथ-साथ उसे स्केल यानी आगे ले जाने की चुनौती थी। कंपनी ने इन चुनौतियों का सामना किया। बीएसएनएल ने स्वदेशी कंपनियों के साथ मिलकर इन समस्याओं को दूर कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, 1 लाख 4जी साइटों के बाद टीसीएस को 23 हजार और साइटों का ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। यानी यह नेटवर्क अभी विस्तृत होगा और अधिक से अधिक लोगों तक बीएसएनएल को पहुंचाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीएसएनएल टावरों में लगी करीब 50 हजार बैटरियां, पावर प्लांट और पुरानी केबल्स को बदला गया है, जिससे नेटवर्क कनेक्टिविटी और बेहतर हुई है।

5G की चुनौती अभी भी बाकी: तमाम उपलब्धियों के बावजूद बीएसएनएल की 5जी सेवाओं का रोलआउट अबतक देश में नहीं हो पाया है। BSNL के अन्य कॉम्पिटिटर्स जैसे- जियो, एयरटेल और वोडा-आइडिया की 5जी सर्विस देश में लंबे समय से चल रही है। बीएसएनएल को टावरों के साथ-साथ हाईस्पीड इंटरनेट सेवाओं को रोलआउट करने की सख्त जरूरत नजर आती है।

अजब - गजब

दुनिया की सबसे रहस्यमयी गुफा, जहां मौजूद हैं 'भगवान की आंखें', बारिश में बहते हैं आंसू!

दुनिया में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिन्हें देखकर पहली नजर में यकीन ही नहीं होता कि ये सब प्रकृति की बनाई हुई चीजें हैं। कहीं पहाड़ों का अजीब आकार लोगों को हैरान करता है तो कहीं गुफाओं के अंदर बनने वाली आकृतियां किसी रहस्य से कम नहीं लगतीं। ऐसी ही एक बेहद अनोखी और रहस्यमयी गुफा यूरोपीय देश बुल्गारिया में मौजूद है, जिसे लोग 'भगवान की आंखें' यानी श्व4द्दद्य श्वद्ध त्नश्वस्त्र के नाम से जानते हैं। इस गुफा की सबसे खास बात इसकी छत पर बने दो विशाल छेद हैं, जो बिल्कुल इंसानी आंखों जैसे दिखाई देते हैं। जब सूरज की रोशनी इन छेदों से अंदर आती है, तो ऐसा लगता है जैसे आसमान खुद गुफा के भीतर झांक रहा हो। वहीं बारिश के दौरान इन छेदों से पानी नीचे गिरता है और यह नजारा ऐसा दिखता है, मानो भगवान की आंखों से आंसू बह रहे हों। यही वजह है कि इस गुफा को देखने हर साल कई जगहों से लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

दरअसल, यह मशहूर गुफा बुल्गारिया की राजधानी सोफिया से करीब दो घंटे की दूरी पर है। यह लुकोवित नगर पालिका के कार्लुकोवो गांव के पास मौजूद है। जिस इलाके में यह गुफा स्थित है, उसे बुल्गारिया के सबसे बड़े कार्स्ट क्षेत्रों में गिना जाता है। कार्स्ट क्षेत्र ऐसे इलाके को कहा जाता है जहां चूना पत्थर जैसी चट्टानें पानी से धीरे-धीरे घुलकर गुफाएं, सुरंगें और अजीब आकार की प्राकृतिक संरचनाएं बना देती हैं ।

कैसे बनीं ये रहस्यमयी आंखें ?: हजारों सालों तक हवा, पानी और प्राकृतिक कटाव की वजह से इस गुफा की छत पर दो बड़े गोल छेद बन गए। समय के साथ इन छेदों का आकार बिल्कुल आंखों जैसा दिखाई देने लगा। यही वजह है कि यह गुफा दुनिया भर में लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई। दिन के समय जब सूरज की रोशनी इन आंखों से होकर अंदर आती है, तो पूरी गुफा रोशनी से चमक उठती है.। कई पर्यटक इस नजारे को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इसे किसी चमत्कार से कम नहीं मानते। उन्हें ये नजारा देख कर लगता है मानो आसमान खुद गुफा के अंदर देख रहा है।

इस गुफा की खूबसूरती बारिश के मौसम में और भी बढ़ जाती है जब बारिश का पानी इन आंखों जैसे छेदों से टपकता है, तो ऐसा लगता है जैसे आंखों से आंसू बह रहे हों। इसी वजह से लोग इन्हें 'भगवान के आंसू' भी कहते हैं। कई पर्यटक बताते हैं कि बारिश के दौरान इस गुफा के अंदर खड़े होकर जो अनुभव होता है, उसे शब्दों में बयान करना आसान नहीं है।

अंतिम सफर में भी संघर्ष, बदहाल सड़क पर व्यवस्था की बेरुखी

अपनों की विदाई में भी नहीं मिल रही सुकून भरी राह

हरिनारायण विश्वकर्मा। गंजबासौदा

किसी अपने को अंतिम विदाई देना जीवन का सबसे भावुक और पीड़ादायक क्षण होता है, लेकिन गंज मोड़ से बेतवा रिपटा घाट तक जाने वाला जर्जर मार्ग इस दुख को और भी गहरा कर रहा है। अपनों की अर्थी कंधों पर उठाए शोकाकुल परिवारों को जर्जर उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। यह दृश्य केवल बदहाल सड़क की कहानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता की दर्दनाक तस्वीर भी बयां करता है। बेतवा रिपटा घाट पर शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए प्रमुख अंतिम संस्कार स्थल है। हर दिन कई परिवार अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई देने इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन वर्षों से सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अंतिम यात्रा भी संघर्ष में बदल गई है। बारिश के दिनों में हालात और भयावह हो जाते हैं। सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है और अर्थी लेकर चल रहे लोगों के कदम बार-बार फिसलते हैं। आंखों में आंसू और दिल में दर्द लिए लोग मजबूरी में इस कठिन रास्ते को पार करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले। सबसे ज्यादा पीड़ा इस बात की है कि जिस रास्ते से किसी इंसान की अंतिम यात्रा निकलती है, उसी मार्ग को आज तक सम्मानजनक स्थिति नहीं मिल सकी।

बेतवा रिपटा घाट केवल अंतिम संस्कार का स्थान नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सामाजिक आयोजनों का भी प्रमुख केंद्र है। पर्व, मेले और धार्मिक अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन हर बार यह जर्जर सड़क लोगों की परेशानी बढ़ा देती है।

अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर कब तक शोक में डूबे परिवार अपनों की अंतिम विदाई भी कठिनाइयों और बदहाली के बीच देने को मजबूर रहेंगे? क्या जिम्मेदारों की संवेदनाएं कभी जागेंगी, या फिर अंतिम सफर यूं ही संघर्ष बनकर रह जाएगा।

न्यूज विंडो

कथा में विधायक ने की गोवर्धन पूजा, कथावाचक का किया सम्मान

सिरोंज। प्राचीन राधा कुंड मंदिर पर चल रहे श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह में श्रीकृष्ण की गोवर्धन पर्वत लीला और रूकमणी विवाह प्रसंग का वर्णन कथा वाचक ने किया। राधा कुंड मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आयोजन इन दिनों किया जा रहा है। कथावाचक पंडित अंकित कृष्ण तेनगुरिया द्वारा श्रद्धालुओं को भागवत के प्रसंग और मर्म से अवगत कराया जा रहा है। इसी क्रम में कथा में गोवर्धन पर्वत लीला प्रसंग का वर्णन उन्होंने किया। कथा स्थल पर गोवर्धन का निर्माण कर 56 भोग का अर्पण भी किया गया। कथा में पहुंचे विधायक उमाकांत शर्मा ने भी भगवान गोवर्धन की पूजा की। उन्होंने कथा वाचक का सम्मान कर मौजूद श्रद्धालुओं को आयोजन से जुड़ी जानकारियां भी दी। इस अवसर पर आयोजन समिति ने भी विधायक शर्मा का सम्मान किया। इसके उपरांत शुक्रवार को कथा में आयोजकों द्वारा श्रीकृष्ण रूकमणी विवाह प्रसंग का मंचन भी किया गया। कथा का समापन शनिवार को होगा।

मंडी में बढ़ सकती है आवक, उपज के बेहतर भाव मिलने की उम्मीद

गंजबासौदा। स्थानीय कृषि उपज मंडी में इन दिनों चना और मसूर के दामों में आई तेजी से किसानों में उत्साह का माहौल है। लगातार बढ़ रहे भावों के चलते किसानों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और उछाल देखने को मिल सकता है, जिससे उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। मंडी व्यापारियों के अनुसार चना और मसूर की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। बढ़ते दामों के कारण किसानों ने फिलहाल अपनी उपज रोक रखी है और वे बाजार की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। किसानों का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो उन्हें फसल का उचित लाभ मिल सकेगा। कृषि उपज मंडी में दाम बढ़ने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों में भी उत्साह देखा जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी दिनों में मंडी में चना और मसूर की आवक में बढ़ोतरी हो सकती है।

आरटीओ का विशेष चेकिंग अभियान, 26बसों कि तलाशी

नर्मदापुरम। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाली बसों पर जिला परिवहन अधिकारी (आरटीओ) नर्मदापुरम प्रमोद कुमार कापसे ने कड़ी कार्रवाई की है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी के खिलाफ चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में कई बसों में गंभीर कमियां पाई गईं, जिनके कारण कुल 26 बसों की तलाशी ली गई। जांच में अधिकांश बसों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण नहीं पाए गए; कई वाहन बिना अग्निशामक यंत्र, फर्स्ट एड मेडिकल बॉक्स, व्हीएलटी डिवाइस, पैनिक बटन, इमरजेंसी गेट और किराया सूची के चल रहे थे। नियमावली का उल्लंघन करने पर आरटीओ टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 6 बसों पर कुल 21,000 रुपये का चालान किया। जांच के दौरान एक बस बिना टैक्स जमा किए सड़कों पर चलाई जा रही थी, जिससे उसके 1,14,000 रुपये बकाया टैक्स वसूल किए गए। वहीं, बिना परमिट संचालित होने वाली एक बस को मौके पर जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा करा दिया गया। आरटीओ प्रमोद कुमार कापसे ने कहा कि यात्रियों की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नहीं मिला भुगतान, आंदोलन की चेतावनी

सिरोंज। चना और मसूर की उपज का भुगतान नहीं मिलने से परेषान किसानों ने शुक्रवार को एसडीएम हरिषंकर विष्वकर्मा को अपनी व्यथा सुनाई। क्षेत्र के अनेक किसानों को उपार्जन केन्द्र पर बेची गई अपनी उपज का महीने भर बाद भी भुगतान नहीं मिल सका है। किसानों कई निवेदन कर चुके हैं लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही। इस बीच गुरूवार को सिरोंज आए अपेक्स बैंक के प्रषासक महेन्द्र यादव के समक्ष जिला सहकारी बैंक के सीईओ विनयप्रकाष सिंह ने 53 करोड़ रूपए प्रदान करने की जानकारी दी थी। क्षेत्र के किसान यह नहीं समझ पा रहे हैं कि ये राषि आखिरकर किसको प्रदान की गई है। क्योंकि अधिकांष किसानों को उपज तुलवाने के महीने भर बाद भी राषि प्राप्त नहीं हो सकी है। शुक्रवार को अनेक किसान कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष मोहन रघुवंषी के नेतृत्व में एसडीएम के पास पहुंचे। उन्होंने उन्हें ज्ञापन देते हुए बताया कि क्षेत्र के दीपनाखेड़ा, चुनियाखोह, हाजीपुर, देहरी आदि सोसाटियों के किसानों को चना और मसूर की उपज तुलवाने के दो महीने बाद भी भुगतान नहीं हो सका है।

सतना में बगहा बायपास स्थित सैनिक कॉलोनी की घटना

प्रॉपर्टी डीलर के घर 50 लाख की चोरी, सोता रहा परिवार और बंदूक के 25 कारतूस भी ले गए चोर

सतना। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के सतना में बगहा बायपास स्थित सैनिक कॉलोनी में चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए प्रॉपर्टी डीलर के मकान से करीब 50 लाख रुपए से अधिक का माल पार कर दिया। बदमाश घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर, लाखों की नकदी और बंदूक के कारतूस तक समेट ले गए। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पीड़ित प्रॉपर्टी डीलर दिनेश सिंह सिद्धू ने बताया कि चोरी उनकी पत्नी के कमरे में हुई। रात में कमरे का कूलर खराब हो जाने के कारण उनकी पत्नी दूसरे कमरे में सोने चली गई थीं। रात करीब साढ़े 11 बजे बेटा घर लौटा, जिसके बाद सभी अपने-अपने कमरों में सो गए। रात करीब ढाई बजे पत्नी की नींद खुली और जब वह अपने कमरे में पहुंचीं तो वहां का नजारा देखकर चीख पड़ी। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य पहुंचे तो अलमारी खुली मिली, सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था और लॉकर टूटा हुआ था।

26 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और 12 लाख नकद गायब

पीड़ित के अनुसार चोर करीब 26 तोला सोने के जेवर, डेढ़ किलोग्राम चांदी और 12 लाख रुपए नकद लेकर फरार हुए हैं। बताया गया कि मकान के पीछे दो दरवाजे हैं और आशंका है कि बदमाश उसी रास्ते अंदर घुसे। पुलिस डॉग भी कमरे से होते हुए मकान के पीछे और बायपास की ओर गया, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर उसी दिशा से भागे।

बंदूक मिली तो निकाल ली गोलियां

वारदात के दौरान बदमाशों के हाथ घर में रखी डबल बैरल बंदूक भी लगी। बताया गया कि बंदूक लोडेड थी। चोरों ने बंदूक को अनलॉक कर उसमें भरी गोलियां निकाल लीं और वहां रखे 25 कारतूस भी साथ ले गए। पीड़ित ने बताया कि परिवार की सुरक्षा के लिए बंदूक हमेशा लोड रखी जाती थी।

लॉकर तोड़ा किसी को नहीं लगी भनक

पुलिस के मुताबिक घटना के समय पूरा परिवार गहरी नींद में था। बदमाशों ने बेहद शातिर तरीके से लॉकर तोड़ा, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। चोरों ने केवल उसी कमरे को निशाना बनाया, जहां नकदी और जेवर रखे थे। पुलिस ने चोरी गए सामान की सूची मांगी है। मकान में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, जिससे जांच में कठिनाई आ रही है। फिलहाल पुलिस आसपास के संदिग्धों और पुराने अपराधियों से पूछताछ कर रही है।

नाले निर्माण का एई और जेई ने किया निरीक्षण

गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नपा का महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट नर्मदा लोक कोरीडोर निर्माण के प्रथम फेस पर्यटन घाट पर चल रहे नाला निर्माण कार्य तथा रसूलिया क्षेत्र शुरू हुए नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण प्रभारी सहायक यंत्री अजीत तिवारी, उपयंत्री रीना गुप्ता द्वारा किया गया। निरीक्षण के उपरांत निर्माण एजेंसी को समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए गए। सहायक यंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में पर्यटन घाट पर नर्मदा लोक कोरीडोर का कार्य चल रहा है। प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण प्रभारी सहायक यंत्री अजीत तिवारी द्वारा किया गया। वहीं मुख्यमंत्री अद्योसंरचना योजना के तहत रसूलिया क्षेत्र से शुरू हुए नाला निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। प्रभारी सहायक यंत्री तिवारी द्वारा कार्य कर रही दोनों निर्माण एजेंसी को समय सीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रोहित गौर उपस्थित थे। उपयंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि पर्यटन घाट पर नर्मदा लोक कोरीडोर का कार्य तेजगति से चल रहा है। सौंदर्यीकरण के लिए पिलर लगाकर पार्किंग स्थल बनाया जाएगा। जिससे घाटों पर आने जाने वाले वाहन वहां खड़े हो सकेंगे। वहीं नाला निर्माण कार्य को बारिश पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इटारसी शाखा ने 30 हजार पदों को हटाने के प्रस्ताव के विरोध में दिया शांतिपूर्ण धरना

नर्मदापुरम /इटारसी। दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेलवे कर्मचारी परिषद इटारसी शाखा ने गत दिवस यहाँ रेलवे स्टेशन के लॉबी में रेलवे बोर्ड द्वारा लगभग 30,000 पदों को समाप्त करने के प्रस्ताव के विरोध में विशाल एवं शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजित किया। परिषद ने इस प्रस्ताव को रेल कर्मचारियों, श्रमिक वर्ग और देश के युवाओं के भविष्य के खिलाफ बताया और तत्काल वापस लेने की मांग की।

परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे कदम से न सिर्फ रेलवे की परिचालन क्षमता प्रभावित होगी, बल्कि बचे हुए कर्मचारियों पर काम का भारी बोझ बढ़ेगा। परिषद ने यह भी आग्रह किया कि रिक्त पदों पर शीघ्र नियमित नियुक्तियाँ की जाएँ और रेल कर्मचारियों के अधिकारों एवं श्रमिक हितों की रक्षा सुनिश्चत की जाए। धरने के दौरान भोपाल मंडल प्रभारी जे.बी.एस. त्रिपाठी, मंडल सचिव भरत पटेल, भारतीय मजदूर संघ जिला मंत्री योगेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष उमेश पटेल के साथ-साथ सौरभ पटेल, भीम यादव और बी.एस. माली सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। परिषद के नेताओं ने बार-बार जोर देकर कहा कि यह आंदोलन पूर्णतः लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण है और प्रशासन से वे कर्मचारियों की जायज़ माँगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करने का अनुरोध करते हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा पद समाप्त करने के प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए, रिक्त पदों पर शीघ्र नियमित नियुक्तियां की जाएं, रेल कर्मचारियों के अधिकारों एवं श्रमिक हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए व अन्य मांगे शामिल हैं। धरना सुबह से शुरू होकर शाम तक चला और उसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों तथा स्थानीय समर्थकों ने हिस्सा लिया। परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी माँगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गयी तो भविष्य में वे और बड़ा आंदोलन कर सकते हैं।

मेट्रो एंकर

गुरु पुष्य नक्षत्र पर 1100 दीपों की से जगमगाया बेतवा तट

मां बेतवा को ओढ़ाई चुनरी, पूजन में उमड़ी भक्तों की भीड़

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गुरु पुष्य नक्षत्र के शुभ और पुण्यमयी अवसर पर गुरुवार शाम नौलखी आश्रम स्थित बेतवा तट श्रद्धा, आस्था और सनातन संस्कृति की अनुपम छटा से आलोकित हो उठा। नौलखी खालसा के श्रीमहंत राममनोहर दास जी महाराज के सानिध्य एवं आचार्य पंडित संजय पाठक के मार्गदर्शन में मां बेतवा का विधि-विधान से विशेष पूजन-अर्चन कर श्रद्धा की चुनरी अर्पित की गई। इस दौरान आटे से निर्मित 1100 दीपों के दीपदान ने पूरे घाट को दीपमालिका में परिवर्तित कर दिया। अधिक मास में गुरु पुष्य नक्षत्र के विशेष संयोग पर शाम ढलते ही श्रद्धालुओं का बेतवा घाट पर पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा की थालियां सजाकर मां बेतवा की आराधना की, वहीं युवाओं और बच्चों में

भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। पूजन के दौरान मां बेतवा का दुग्ध, पुष्प, अक्षत एवं दीपों से अभिषेक कर महाआरती उतारी गई। इसके बाद श्रद्धाभाव के साथ मां बेतवा को चुनरी ओढ़ाई गई। जैसे ही चुनरी अर्पित की गई, पूरा घाट हर-हर बेतवा मैया और जय श्रीराम के जयघोषों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

दीपदान कार्यक्रम आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। घाट की सीढ़ियों पर एक साथ 1100 दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की सुनहरी आभा जब बेतवा की लहरों पर पड़ी तो पूरा तट अलौकिक प्रकाश से दमक उठा। पानी में तैरते दीपों का दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं मां बेतवा दीपों का श्रृंगार धारण किए हुए हों। श्रद्धालु देर तक इस मनोहारी दृश्य को निहारते रहे और कई लोगों ने इस पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। आचार्य पंडित संजय पाठक ने कहा कि गुरु पुष्य नक्षत्र सनातन परंपरा में अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन किए गए पूजन, दान और सेवा कार्य का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और सभ्यता की जीवनरेखा हैं। मां बेतवा ने सदियों से इस क्षेत्र को जीवन दिया है, इसलिए उनका संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। नौलखी खालसा के श्रीमहंत राममनोहर दास जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का स्वरूप माना गया है।

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राणा एंड जोशी बिल्डटेक प्रा. लि. (पूर्व में राणा बिल्डटेक प्रा. लि. पंजीकृत कार्यालयः प्लॉट नं. 158, चतुर्थ तल, डीजी हाइट्स, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल, म.प्र. के स्वामित्वाधीन निम्नलिखित संपत्तियों के मूल विक्रय पत्र (Sale Deed) कार्यालय शिफ्टिंग के दौरान गुम हो गए हैं-

1. खसरा क्र. 654/5/7, रकबा 0.209 हे., दस्तावेज क्र. 754, दिनांक 14/06/2013
2. खसरा क्र. 654/5/6, रकबा 0.809 हे., दस्तावेज क्र. 1113 (क), दिनांक 05/10/2012

उक्त संपत्तियां जिला विदिशा (म.प्र.) में स्थित हैं। जिसकी सूचना थाना एम.पी. नगर भोपाल में खोया संपत्ति पंजीयन क्रमांक 0020/2026 दिनांक 27/04/2026 को दी गयी हैं।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्तियों या दस्तावेजों के संबंध में कोई दावा/आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर लिखित रूप में सूचित करें। अन्यथा बाद में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

न्यूज विंडो

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे पहुंचीं बाबा महाकाल के दरबार में, लिया आशीर्वाद

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह प्रसिद्ध कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता रेमो डिसूजा, फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे एवं अभिनेता विक्की जैन दर्शन करने पहुंचे। सभी ने भस्म ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी की भस्म आरती में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद लिया। आरती के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सभी बॉलीवुड स्टार का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

कान्हा टाइगर रिजर्व में गर्मी के मौसम की गिद्धों की गिनती शुरू

मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व में गर्मी के मौसम की गिद्धों की गिनती शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश वन विभाग के आयोजित गिद्ध गणना-2026 के दूसरे चरण के तहत यह काम 24 मई तक चलेगा। पहले ही दिन कान्हा के अलग-अलग इलाकों में कुल 306 गिद्ध देखे गए हैं, जो पर्यावरण के लिहाज से काफी अच्छे संकेत हैं। यह गणना कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर और बफर जोन के साथ-साथ फेन वाइल्डलाइफ सेंचुरी के सभी 13 क्षेत्रों में की जा रही है। इसके लिए वन विभाग की टीम सुबह 5:30 बजे से ही जंगल के 182 अलग-अलग हिस्सों (बीटों) में तैनात हो गई थी। आंकड़ों को पूरी सटीकता से दर्ज करने के लिए विभाग के बनाए गए गरूण मोबाइल एप और डाटा शीट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

बाघ के शिकार से ग्रामीणों में दहशत, दो मवेशियों का मारा

कटनी। ढीमरखेड़ा तहसील के जिर्री गांव और आस-पास के इलाकों में बाघ की आहट से दहशत फैली हुई है। पिछले 48 घंटों में बाघ ने दो पालतू मवेशियों का शिकार कर लिया है। इन घटनाओं के बाद से ग्रामीण इतने डरे हुए हैं कि उन्होंने शाम को घरों से बाहर निकलना और खेतों पर जाना बंद कर दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि अब तक उन्हें जमीन पर कोई विशेष इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। विभाग की इस सुस्ती की वजह से लोग अपनी और अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर काफी चिंता में हैं।

जुन्नारदेव में पेयजल संकट 7 दिनों से पानी नहीं, लोगों में आक्रोश

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में पेयजल संकट गहराने लगा है। जल स्तर गिरने का असर अब शहरी क्षेत्रों में साफ दिखाई दे रहा है। नगर के कई वार्डों में नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 16 में बीते 7 दिनों से नलों में पानी नहीं आने से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। वार्ड पार्षद उर्मिला आम्रवंशी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वार्डवासी नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और नपा अध्यक्ष के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की है। लोगों ने नगर पालिका से तत्काल टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की मांग की है।

शांति का माहौल: 721 साल बाद शुक्रवार को हिंदू समाज ने दिनभर की पूजा

भोजशाला में वैदिक मंत्रोच्चार व महाआरती मुस्लिम समाज ने मस्जिद व घरों में पढ़ी नमाज

धार। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार की ऐतिहासिक भोजशाला में शुक्रवार का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। हाईकोर्ट के फैसले और एएसआई की नई गाइडलाइन के बाद 42 डिग्री के तपते तापमान के बावजूद हिंदू समाज ने पूरे 721 सालों बाद भोजशाला परिसर में पूरे दिन पूजा-अर्चना की। सुबह की आरती से शुरू हुआ यह सिलसिला देर शाम तक चला, जहां श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते रहे। यह पहला मौका था जब शुक्रवार को हिंदू समाज भोजशाला में प्रवेश कर रहा था। ऐसे में सुरक्षा को लेकर खास इंतजाम भी पुलिस की तरफ से किए गए थे। सूर्योदय के साथ मां वाग्दे वी के दर्शन-पूजन का कार्यक्रम शुरू हो गया था। सुबह के वक्त भोज उत्सदव समिति के पदाधिकारियों ने मां वाग्दे वी का प्रतिदिन अनुसार पूजन किया। मां वाग्दे वी की आरती कर चुनरी ओढ़ाई गई। साथ ही गर्भगृह को फूलों से सजाया गया था। सुबह आरती के बाद दिनभर भक्तोंय के आने का क्रम चलता रहा। बड़ी संख्या़ में लोगों ने भोजशाला पहुंचकर शुक्रवार को मां वाग्देदवी के दर्शन लाभ लिएं और अपने पुराने स्मबरण को याद किया। दूसरी ओर, मुस्लिम समाज ने प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करते हुए स्थानीय मस्जिदों और घरों में जुमे की नमाज अदा की। प्रशासन की सूझबूझ और दोनों पक्षों की संवेदनशीलता के कारण शहर में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा।

भोजशाला के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही 'भोज उत्सव समिति' ने इस ऐतिहासिक दिन पर अपने पुराने संघर्ष को याद किया। वर्ष 2003 के आंदोलन के दौरान हुए लाठीचार्ज और गोलीबारी में जान गंवाने वाले तीन हिंदू युवकों को बलिदानी मानते हुए उनके परिजनों का सम्मान किया गया। ऐसे कारसेवकों को याद करते हुए सम्मानन के भाव से उनके परिवारजनों का सम्माजन किया गया। घर की नारी शक्तियों के पैरों का पूजन कर उन्हें सम्माानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जयश्रीराम और राजा भोज के जयकारों से पूरा मोतीबाग चौक गूंजायमान हो रहा था। अखंड ज्योति मंदिर के पास आंदोलन से जुड़े छोटे मुरारी बापू और बलिदानियों के परिजनों का 'पाद पूजन' किया गया। सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं को ज्योति मंदिर से 50 कदम दूर एकत्रित होने की अनुमति दी थी, जिसके बाद सभी ने एकजुट होकर भोजशाला में प्रवेश किया। भोजशाला केस से जुड़े मुख्यह याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी भी लखनऊ से धार पहुंचे थे। उन्होंने शुक्रवार को पूजा में सहभागिता कर मां वाग्देवी के दर्शन लाभ लिए। उनके साथ सह याचिककर्ता भी मौजूद रहे। तिवारी ने मीडिया से चर्चा में बताया कि अभी आगे और लड़ाई बाकी है। भोजशाला में भगवान की मूर्तियां है, उन्हेंम भी सम्मातन दिलाना है। सीढ़ियों पर भगवान की प्रतिमा को उल्टाह रखा गया है, ताकि उनका अपमान हो सके। कुछ जगहों पर मुस्लिम चिह्न है, जो बाद में लगाए गए थे। उन्हें भी हटाने के लिए हमनें मांग रखी है। वहीं परिसर में जमीन के भीतर दबी भगवान हनुमान जी की प्रतिमा को भी निकालने के लिए हमने प्रयास शुरू किए है।

महाआरती और मंत्रोच्चार से गूंजा परिसर

शुक्रवार सुबह से ही श्रद्धालुओं और हिंदू समाज के लोगों में भारी उत्साह देखा गया। तय समय पर लोग भोजशाला परिसर पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा शुरू की गई। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले माँ वाग्देवी को चुनरी ओढ़ाई, पुष्प अर्पित किए और गर्भगृह को भव्य रूप से सजाया। इसके बाद दोपहर में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। महाआरती के बाद छोटे मुरारी बापू ने समाज को संबोधित करते हुए कहा: 'सालों से हम जिस भोजशाला के लिए संघर्ष कर रहे थे, अब वह समाज की हो गई है। मंदिर के विरुद्ध कोई भी षड्यंत्र अब सहन नहीं किया जाएगा। आंदोलन के समय अत्याचार हुआ, लेकिन अब समाज एकजुट हो चुका है।' उन्होंने इसके साथ ही अब विजय स्तंभ की ओर बढ़ने का ऐलान किया। भोजशाला में हिंदू समाज को 365 दिन पूजा-अर्चना का अधिकार प्राप्त है। इसी के तहत शुक्रवार को सुबह के पूजन और दोपहर की महाआरती के बाद शाम को माँ वाग्देवी की संध्या आरती भी की गई। इस मौके पर गोपाल शर्मा ने कहा कि यह मुक्ति अभी अधूरी है। जब तक भोजशाला का पूरा वैभव और स्वरूप राजा भोज के काल जैसा नहीं हो जाता, तब तक यह सत्याग्रह जारी रहेगा। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि आज भी जब हम मंदिर में आते हैं, तो बहुत सी चीजें आँखों में चुभती हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का प्रदर्शन, बाइक रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के आवाहन पर जिला नरसिंहपुर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रांतव्यापी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने बाइक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ द्वारा सिंहपुर बाईपास चौराहे से विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मुस्कान पार्क पहुंची और कलेक्ट्रेट में समाप्त हुई। रैली में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए और किसानों की समस्याओं को लेकर जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने भले ही 'किसान वर्ष' घोषित किया हो, लेकिन धरातल पर किसान परेशानियों से जूझ रहा है। नरसिंहपुर जिले में 8 से 10 हजार किसानों के गेहूं उपार्जन स्लॉट अब तक बुक नहीं हो पाए हैं। किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा खरीदी की तारीख बढ़ाने के बावजूद 12 मई से स्लॉट बुक नहीं हो रहे हैं। किसान रातभर जागकर स्लॉट बुकिंग का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही। किसान संघ ने आरोप लगाया कि उपार्जन से जुड़े अधिकारी स्वयं की आईडी से बड़े किसानों के स्लॉट बुक कर रहे हैं, जबकि छोटे किसानों को वेयरहाउस भरे होने का हवाला देकर परेशान किया जा रहा है। किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में मूंग-उड़द की गिरदावरी कराने, किसानों की उपज की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करने, गेहूं खरीदी केंद्रों का उच्च अधिकारियों से निरीक्षण कराने तथा तौल कांटों पर अतिरिक्त गेहूं तुलाई बंद कराने की मांग की गई। साथ ही अघोषित बिजली कटौती और 'लोड सेटिंग' के नाम पर हो रही कटौती बंद करने की भी मांग उठाई गई। प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी ने कहा कि किसानों की आईडी में पूर्ण रकबा दर्ज नहीं होने के कारण खाद एवं उर्वरक मिलने में भारी परेशानी हो रही है। वहीं जिला अध्यक्ष संतोष राय ने कहा कि 'किसान कल्याण वर्ष' अब 'किसान परेशान वर्ष' साबित हो रहा है। उन्होंने गन्ना मिलों द्वारा किसानों का लंबित भुगतान तत्काल कराने की मांग की। जिला मंत्री अभिषेक पटेल ने गेहूं खरीदी केंद्रों पर भारी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि सोसायटी का बारदाना व्यापारियों के यहां पहुंच रहा है और वहां से गेहूं पैक होकर सीधे वेयरहाउस में लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर नंबर बताने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, राजेंद्र पटेल, दिनेश पटेल, संजय पाठक, चंद्रभान सिंह पटेल, जिला सदस्य विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह, तहसील अध्यक्ष नरसिंहपुर, तहसील मंत्री ओम चौकसे, ऐश्वर्य पटेल, गोटेगांव अध्यक्ष भावसिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष दिनेश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक की गोली मार कर हत्या, तीन गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने एक युवक की कट्टा चलाकर हत्या कर दी जबकि उसके भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया। गुरुवार की देर रात हुई वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना मोती नगर थाना क्षेत्र के विवेकानंद वार्ड मछरयाई की है। मामले में पुलिस ने वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मछरयाई स्थित गोंड बब्बा चबूतरा क्षेत्र में हुए हत्या एवं हत्या के प्रयास के सनसनीखेज प्रकरण के बाद मृतक के परिजनों ने मोती नगर थाना के सामने शव रखकर चक्काजाम किया। जानकारी के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर फरियादी ओम साहू एवं उसके भाई मयंक साहू के साथ आरोपियों द्वारा विवाद कर गाली-गलौज की गई। इसी दौरान आरोपी द्वारा अवैध हथियार से फायर किया गया, जिससे मयंक साहू को गोली लगने से गंभीर चोट आई तथा उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। वहीं फरियादी ओम साहू पर भी चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया था. पुलिस ने कार्यवाही करते हुए घटना के महज 12 घंटे के भीतर 6 आरोपियों में से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. थाना मोतीनगर में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। एक नाबालिग आरोपी निवासी बाघराज वार्ड आवासीय कॉलोनी, आर्यन आठिया पिता हरेंद्र आठिया उम्र 18 वर्ष 3 माह निवासी तिली गांव थाना गोपालगंज तथा महिला आरोपी उम्र 60 वर्ष निवासी गजानंद अखाड़े के सामने विवेकानंद वार्ड थाना मोतीनगर अन्य नामजद एवं विवेचना में नाम आने वाले फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

अनूपपुर, शहडोल और उमरिया में कब चलेगा शुद्ध के लिए युद्ध अभियान

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नीमच जिले के जावद में खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन ने मिलावटखोरों व अस्वच्छ खाद्य प्रतिष्ठानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 खाद्य नमूने जांच के लिए भेजे, एक ढाबे की रसोई सील की और 100 लीटर सरसों तेल जब्त किया। यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम, तहसीलदार और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा की गई। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर अनूपपुर, शहडोल और उमरिया में ऐसी सख्त कार्रवाई कब शुरू होगी। इन जिलों में खुलेआम मिलावटी मिठाई, तेल, मसाले, लस्सी, दही और अन्य खाद्य सामग्री बिकने की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं, फिर भी खाद्य विभाग की कार्रवाई नजर नहीं आती। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठंड के मौसम में लस्सी और दही को गाढ़ा एवं अधिक मात्रा में दिखाने के लिए कई डेयरियों में मैदा और केमिकल का उपयोग किया जा रहा है। सवाल यह है कि यदि दूध और दही शुद्ध हैं तो डेयरियों में मैदा रखने की आवश्यकता क्या है। आम जनता मांग कर रही है कि डेयरियों और मिठाई दुकानों में रखे जाने वाले मैदा, पाउडर और संदिग्ध केमिकल की भी जांच की जाए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खाद्य विभाग के अधिकारी दिन में केवल औपचारिक निरीक्षण कर खानापूर्ति करते हैं, जबकि मिलावटखोरों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

मेट्रो एंकर — बड़े उद्योग होने के बाद भी नहीं है ट्रामा सेंटर

सड़क हादसों में इलाज न मिलने से तोड़ रहे दम, शहर में नहीं आपात चिकित्सा सुविधाएं

सागर/बीना। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक और यातायात की दृष्टि से तेजी से विकसित हो रहे बीना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन गंभीर घायलों के उपचार के लिए अब तक पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। हालात यह हैं कि दुर्घटना में घायल लोगों को सिविल अस्पताल लाने के बाद प्राथमिक उपचार देकर मेडिकल कॉलेज सागर या जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता है। समय पर विशेषज्ञ उपचार नहीं मिलने से कई बार घायल रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

शहर और आसपास के क्षेत्र से होकर नेशनल हाइवे, रिफाइनरी रोड सहित अन्य रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही चौबीसों घंटें निकलते हैं। प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होने से दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। इसके बावजूद शहर में ट्रॉमा सेंटर, ऑर्थोपेडिक सर्जरी, न्यूरो उपचार और गंभीर घायलों के लिए आपात चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। लोगों का कहना है कि सड़क हादसों में सबसे अधिक परेशानी तब होती है, जब घायल के सिर, रीढ़ या हाथ-पैर में गंभीर चोट आती है, तब सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार तो मिल जाता है, लेकिन एक्सपर्ट डॉक्टर, ऑपरेशन थियेटर और आवश्यक उपकरणों की कमी के कारण

मरीजों को तुरंत रेफर कर दिया जाता है। कई बार एंबुलेंस की उपलब्धता और समय पर उपचार नहीं मिलने से मरीज की हालत और बिगड़ जाती है।

क्षेत्र में स्थित रिफाइनरी और जेपी थर्मल पावर प्लांट जैसे उद्योगों के कारण भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। इसके बावजूद स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आपातकालीन चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है। यदि रिफाइनरी, जेपी में भी कोई गंभीर घायल होता है, तो इन उद्योगों की अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं न होने से घायल को अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है।

रेलवे का भी बड़ा अस्पताल बीना में है, लेकिन सुविधाएं वहां भी नहीं हैं। साथ ही रेलवे कर्मचारियों और उनके परिजनों का ही इलाज होता है। यदि ट्रेन से गिरकर कोई घायल होता है, तो उसे सिविल अस्पताल ही भेजा जाता है।

बीएमओ डॉ. संजीव अग्रवाल ने बताया कि शहर में बड़े उद्योग हैं, इनमें ट्रामा सेंटर बनाने की जरूरत है, क्योंकि हजारों कर्मचारी काम कर रहे हैं। यदि ट्रामा सेंटर बन जाए, तो सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को तो इलाज मिलेगा ही। साथ ही उद्योगों में यदि कोई घटना होती है, तो घायलों को तत्काल इलाज मिलेगा। सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ और संसाधनों की कमी है, जिससे गंभीर हालत में रेफर करना पड़ता है।

महिला के साथ दुर्व्यवहार, पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

जिले के गन्नागुडा गांव में एक महिला के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। शासकीय जमीन पर बने कुएं को पाटने का विरोध करने पर दबंगों ने महिला के बाल पकड़कर उसे जमीन पर घसीटा और मारपीट की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पीड़िता ने एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।मामले की गंभीरता और वीडियो साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना गोविंदपुरा भोपाल

क्र. /296/26 दिनांक 06/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 11/08/26 को फरिदिया असमा बी पिता अब्दुल रफिक उम्र 30 साल निवासी म.न. डी 95 जनता क्वार्टर गौतम नगर गोविंदपुरा भोपाल मोन. 7224832609 ने अपनी मम्मी असगरी बी के साथ थाना उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट किया कि मैं उपरोक्त लिखाये पते पर रहती हूँ तथा घरेलू काम करती हूँ कल

दिनांक 10/08/26 को मेरा बेटा जेद उम्र 14 साल रात्रि 9.00 बजे दोस्त अयान के साथ खेलने गया था बाद करीबन 9.30 बजे घर वापस आया कुछ देर घर में बैठा फिर खेलने चला गया, काफी समय तक दोनो घर वापस नहीं आये, फिर हम लोगो ने उन्हे आस पास एवं रिश्तेदारों में तलाश किया, पूछताछ कि जिसका कोई पता नहीं चला। मेरा बेटा पहले भी घर से बिना बताये जा चूका है जो कुछ दिन बाद घर वापस आ गया था। आज बेटा जेद घर वापस नही आया है मेरे बेटा का हुलिया कद 4.5 फीट, रंग गोरा, चेहरा गोलाकार, काली टीशर्ट, काली लोवर पहने है पैरो में काली कलर की चप्पल पहने है। मुझे शक है कि मेरे बेटे जेद को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर साथ में ले गया है रिपोर्ट करती हूँ कार्यवाही की जावे। थाना गोविंदपुरा भोपाल में गुमइंसान क्रमांक 45/26 व अपराध क्रमांक 296/26 धारा 137 (2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गुमशुदा का हुलीया- कद 4.5 फीट, रंग गोरा, चेहरा गोलाकार, काली टीशर्ट, काली लोवर पहने है पैरो में काली कलर की चप्पल पहने है।

अतः गुमशुदा जैद की तलाश के संबंध में प्रमुख समाचार पत्रों में जाहिर सूचना प्रकाशन कराने हेतु श्रीमान संचालक जनसंपर्क अधिकारी जनसंपर्क संचालनालय विभाग बाणगंगा रोड टीटी नगर भोपाल को संलग्न पत्र उचित माध्यम से प्रेषित करने का कष्ट करे।

जी-13248/26

याना प्रभारी
थाना गोविंदपुरा भोपाल

संख्या: Q-15014/01/2023-CPA
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
द्वितीय तल, पृथ्वी विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली

विषय: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग में दो (02) पूर्णकालिक (तकनीकी) सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, दिल्ली में दो (02) पूर्णकालिक सदस्य (तकनीकी) के पदों पर चयन एवं नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

2. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 (2021 का 29) के अंतर्गत की गई है। उक्त सदस्य पूर्णकालिक पदाधिकारी होगा।

3. विस्तृत विज्ञापन मंत्रालय की वेबसाइट https://moef.gov.in तथा CAQM की वेबसाइट https://caqm.nic.in पर उपलब्ध है।

(पी. वी. पिल्लई) निदेशक (सीपी)
दूरभाष : 011-20819195
ई-मेल : v.pazhaniyandi@nic.in

CSC-13101/11/0003/2627

कई उतार-चढ़ावों के बाद आखिरकार क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सपना पूरा

1000 गोल के सपने की ओर नजर

इस दोहरे गोल के साथ रोनाल्डो के करियर गोलों की संख्या 974 तक पहुंच गई है। अब फुटबॉल जगत की नजर उनके ऐतिहासिक 1000 गोल के लक्ष्य पर है। साथ ही आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में उनकी भूमिका पर भी सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

अल-नस्र ने जीता पहला प्रो लीग खिताब स्टार खिलाड़ी की आंखों से छलके आंसू

नई दिल्ली। तीन साल की लगातार कोशिशों और कई उतार-चढ़ावों के बाद आखिरकार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अल-नस्र ने सऊदी प्रो लीग का खिताब जीत लिया। रियाद के अलअव्वल पार्क में खेले गए निर्णायक मुकाबले में अल-नस्र ने दमाक एफसी को 4-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ क्लब ने अपना पहला बड़ा लीग खिताब अपने नाम किया और रोनाल्डो के चेहरे पर लंबे इंतजार के बाद मुस्कान लौट आई।

रोनाल्डो का दमदार प्रदर्शन, दो गोल से पलटा मैच

41 वर्षीय सुपरस्टार ने एक बार फिर साबित किया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। दूसरे हाफ में उन्होंने अपने क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। 62वें मिनट में पहला गोल दागकर उन्होंने टीम को बढ़त दिलाई और फिर 80वें मिनट में एक बेहतरीन फ्री-किक को गोल में बदलकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। उनके इन दो गोलों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और अल-नस्र की जीत सुनिश्चित कर दी।

भावुक पल: मैदान पर ही बैठ गए

खिताब जीतते ही रोनाल्डो खुद को रोक नहीं पाए। मैच खत्म होने के बाद उनकी आंखों में आंसू थे और वह भावुक होकर मैदान पर ही बैठ गए। 2023 में अल-नस्र से जुड़ने के बाद यह उनका पहला बड़ा लीग खिताब था, जिसका इंतजार अब खत्म हुआ। सोशल मीडिया पर उनका रोता हुआ वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसे देखकर दुनियाभर के प्रशंसक भावुक हो गए। यह सीजन अल-नस्र के लिए आसान नहीं रहा। टीम को एएफसी चैम्पियंस लीग टू के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे निराशा बढ़ गई थी। इसके अलावा अल-हिलाल के खिलाफ ड्रॉ ने खिताब की रेस को आखिरी मैच तक खींच दिया।

विश्वकप से पहले कंगाली में पाकिस्तान हॉकी

खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा पैसा, 1000 रुपये के भत्ते पर मच रहा है बवाल

कराची , एजेंसी

एक तरफ पाकिस्तान हॉकी टीम एफआईएच विश्व कप और प्रो लीग की तैयारियों में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ खिलाड़ियों की आर्थिक बदहाली ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) की पोल खोलकर रख दी है। हालात इतने खराब हैं कि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी अपने ही बोर्ड से बकाया रकम और दैनिक भत्ते की गुहार लगा रहे हैं।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने विदेशी दौरों के लिए खिलाड़ियों और अधिकारियों को 110 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन देने का एलान तो कर दिया, लेकिन खिलाड़ियों का कहना है कि उन्हें अब तक पुराने बकाये तक नहीं मिले हैं। ऊपर से ट्रेनिंग कैंप का दैनिक भत्ता 3000 पाकिस्तानी रुपये से घटाकर सिर्फ 1000 रुपये कर दिया गया है।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों का अपमान – पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 1000 रुपये रोजाना में एक खिलाड़ी क्या तैयारी करेगा। खिलाड़ियों के मुताबिक यह रकम राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सीधा अपमान है। एक खिलाड़ी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, पीएचएफ पहले भी बड़े-बड़े वादे करता रहा है, लेकिन भुगतान कभी समय पर नहीं हुआ। अब 110 डॉलर देने की बात कही जा रही है, लेकिन भरोसा तभी होगा जब पैसा हाथ में आएगा।% दूसरे खिलाड़ी ने कहा कि ट्रेनिंग कैंप के दौरान सिर्फ 1000 रुपये प्रतिदिन देना बेहद शर्मनाक है और इससे खिलाड़ियों का मनोबल टूट रहा है।

कप्तान तक का एलान नहीं

पाकिस्तान ने अगले महीने बेल्जियम और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के लिए 20 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि टीम का कप्तान तक घोषित नहीं किया गया। इससे खिलाड़ियों में और नाराजगी बढ़ गई है। शकील अम्मद बट पिछले साल से टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन इस बार पीएचएफ की चुप्पी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रो लीग में भारत से भी भिड़ेगा पाकिस्तान

एफआईएच प्रो लीग का तीसरा चरण 13 जून से 27 जून तक खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान की टीम बेल्जियम, स्पेन, इंग्लैंड और भारत के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम एफआईएच विश्व कप में हिस्सा लेगी।

जीतकर भी हार गई सनराइजर्स हैदराबाद, शीर्ष पर रहते हुए क्वालिफायर-1 में पहुंची आरसीबी

हैदराबाद, एजेंसी

आईपीएल का 19वां संस्करण धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंच रहा है। शुक्रवार को उप्पल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हरा दिया। हालांकि, इस जीत के बावजूद टीम शीर्ष-दो में एंट्री करने में नाकाम रही और अब वह एलिमिनेटर मैच खेलेगी। वहीं, आरसीबी हार के बावजूद शीर्ष पर बरकरार रही और अब उसका सामना गुजरात टाइटंस से क्वालिफायर-1 से होगा। हैदराबाद के दिए 256 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी आरसीबी 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बना सकी और 55 रन से मैच हार गई। आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत करने आए वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान रजत पाटीदार ने 39 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली। क्रुणाल पांड्या 31 गेंदों पर 41 और टिम डेविड 7 गेंदों पर 15 रन बनाकर नाबाद रहे। विराट कोहली 15 और देवदत्त पड्डिकल 21 रन बनाकर आउट हुए। एसआरएच की तरफ से ईशान मलिंगा ने 4 ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। साकिब हुसैन और ट्रेविस हेड को एक-एक विकेट मिला।

हैदराबाद की पारी– इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 4 विकेट पर 255 रन बनाए थे। एसआरएच के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने 46 गेंदों पर सर्वाधिक 79 रन की पारी खेली। किशन ने अपनी पारी में तीन छक्के और आठ चौके लगाए। इसके अलावा, अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों पर पांच छक्कों और चार चौकों की मदद से 56 और हेनरिक क्लासेन ने 24 गेंदों पर पांच छक्कों और दो चौकों की मदद से 51 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 12 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए थे।

चयन पर रार, आकिब को नहीं चुने जाने पर हो रहा विवाद

घरेलू क्रिकेट में दम दिखाने वाले खिलाड़ियों को किया गया नजरअंदाज, टेस्ट टीम को लेकर घिरे अगरकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रि केट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया था। टेस्ट टीम में बड़े बदलाव नहीं हुए, लेकिन घरेलू क्रि केट में दम दिखाने वाले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया गया। रणजी ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी, सरफराज खान और मोहम्मद शमी को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली, जबकि गुरनूर बराड़ को मौका दिया गया।

पुरुष चयन समिति ने रणजी ट्रॉफी (2025-26) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और विकेट लेने वाले खिलाड़ी को मौका देना तो दूर, उनके नाम की चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझा। बीसीसीआई भी रणजी के प्रदर्शन को टीम इंडिया में चयन का पैमाना मानती है, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम इंडिया के चयन में

बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी (2025-26) में गेंद और बल्ले से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया है। रणजी ट्रॉफी (2025-26) में जम्मू-कश्मीर के 29 साल के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों और आलोचकों को प्रभावित किया था। जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का चैंपियन बनाने में यादगार और ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले नबी ने सीजन के 10 मैचों की 17 पारियों में 60 विकेट लिए थे।

अगरकर की हो रही आलोचना

टेस्ट टीम के चयन को लेकर अजीत अगरकर की आलोचना भी हो रही है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने अगरकर की कड़ी आलोचना करते हुए बीसीसीआई से कहा कि अगर भारत के प्रमुख घरेलू लाल गेंद वाले टूर्नामेंट में प्रदर्शन पर विचार भी नहीं किया जाता है तो रणजी ट्रॉफी को ही समाप्त कर देना चाहिए। वेंगसरकर ने कहा, चयनकर्ताओं का आकिब को नजरअंदाज करने का फैसला सरासर बेतुका और समझ से परे है। ये किस तरह का चयन है? ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ये अन्याय है। क्या आप नबी की मौजूदा हालत की कल्पना कर सकते हैं? उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 60 विकेट लिए। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और वे बाकी सभी से आगे जगह पाने के हकदार हैं। यदि घरेलू क्रि केट प्रदर्शन

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बेटियों की पुकार ने तोड़ा रुबीना का दिल, मां बनने के बाद हर सफर बन गया इम्तिहान

रुबीना दिलैक इन दिनों अपने जीवन के सबसे भावुक दौर से गुजर रही हैं। मां बनने के बाद जहां उनकी जिंदगी में खुशियों ने दस्तक दी, वहीं अब करियर और परिवार के बीच संतुलन बनाना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। काम के सिलसिले में घर से दूर रहने की मजबूरी उन्हें भीतर तक तोड़ रही है। खासकर तब, जब उनकी जुड़वां बेटियां वीडियो कॉल पर रोते हुए सिर्फ एक ही बात कहती हैं— ÷मम्मा आ जाओ।÷

रुबीना इन दिनों खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका के खूबसूरत शहर केप टाउन में हैं। शो का शेड्यूल करीब 40 दिनों का है, जिसके कारण उन्हें लंबे समय तक अपनी बच्चियों से दूर रहना पड़ रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि वीडियो कॉल पर अपनी बेटियों की मासूम आवाज सुनना उनके लिए सबसे मुश्किल पल होता है।

उन्होंने भावुक होकर कहा कि वीडियो कॉल केवल चेहरा दिखा सकती है, लेकिन बच्चों का स्पर्श, उनकी बाहों की

गर्माहट और पास होने का एहसास कभी महसूस नहीं करा सकती। जब उनकी बेटियां रोते हुए ÷मम्मा आ जाओ÷ कहती हैं, तो उनका दिल टूट जाता है और वह खुद को बेहद असहाय महसूस करती हैं।

मां बनने के लिए कोई तैयार नहीं करता

रुबीना ने स्वीकार किया कि वह अभी तक यह समझ नहीं पाई हैं कि करियर और मातृत्व के बीच सही संतुलन कैसे बनाया जाए। उनके मुताबिक, मां बनना जिंदगी का सबसे खूबसूरत लेकिन सबसे कठिन अनुभव भी है। उन्होंने कहा कि कोई भी महिला पहले से इस जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह तैयार नहीं होती। उन्होंने यह भी माना कि यह संघर्ष केवल उनका नहीं, बल्कि हर कामकाजी मां की कहानी है। एक ओर सपनों को पूरा करने की चाह होती है, तो दूसरी ओर बच्चों से दूर रहने का दर्द हर पल भीतर से कमजोर करता है। भावनात्मक परेशानियों के बावजूद रुबीना अपने सपनों से समझौता नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि महिलाएं मां बनने के बाद भी अपने लक्ष्य हासिल कर सकती हैं।

मशहूर सिंगर की दुल्हन बनेंगी आईपीएल टीम की मालकिन काव्या मारन, स्पेन में होगी शादी

मशहूर सिंगर और कम्पोजर अनिरुद्ध रविचंदर एक बार फिर अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन की शादी की चर्चा हो रही है। काव्या और अनिरुद्ध की शादी की बात सुनकर इनके फैन्स के बीच खुशनुमा माहौल है, जानते हैं कि इस खबर में कितनी सच्चाई है।

आईपीएल टीम सनराइज हैदराबाद की सीईओ और को-ओनर काव्या मारन और कम्पोजर अनिरुद्ध रविचंदर की वेडिंग का बज बना हुआ है। कई फैन पेज पर दावा किया जा रहा है कि काव्या और अनिरुद्ध जल्द ही शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। हो सकता है कि इस साल के अंत तक दोनों शादी के बंधन

में बंध जाएं। फिल्मीबीट की रिपोर्ट के मुताबिक, काव्या और अनिरुद्ध के पेरेंट्स अपने बच्चों की शादी के लिए राजी हो चुके हैं। शादी स्पेन में होगी और इसके बाद चेन्नई में एक ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा।

एक ओर जहां फैन्स के बीच काव्या और अनिरुद्ध की शादी की चर्चा है। वहीं अब तक दोनों की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। ना ही शादी के लिए हांमी भरी गई है और ना ही इससे इनकार किया गया है। हालांकि, ये पहला मौका नहीं है जब काव्या और सिंगर की शादी की चर्चा हो रही है। इससे पहले भी कई बार दोनों की वेडिंग न्यूज की अफवाह उड़ी थी। वेडिंग न्यूज पर रिएक्ट करते हुए सिंगर ने फैन्स से गुजारिश की थी कि अफवाहों पर यकीन ना करें।

काव्या और अनिरुद्ध की पर्सनल लाइफ पर भी नजर डाल लेते हैं। चेन्नई में जन्मीं काव्या मारन भारत के बड़े बिजनेस परिवार %मारन परिवार% से आती हैं। काव्या के पिता कलानिधि मारन सन ग्रुप के चेयरमैन हैं और मां कावेरी मारन सन टीवी नेटवर्क की सीईओ हैं।

मेट्रो बाजार

भारत की यात्री वाहन इंडस्ट्री की वॉल्यूम वित्त वर्ष 27 में 4.6 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । भारत के यात्री वाहन सेगमेंट में वित्त वर्ष 27 में मजबूत वृद्धि होने की उम्मीद है। इसकी वजह जीएसटी की दरें कम होना, गर्मियों में लंबा शादियों का सीजन और नए मॉडल की उच्च मांग होना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की रिपोर्ट में कहा गया कि मांग में जारी गति के चलते वाहन उद्योग की वॉल्यूम में वित्त वर्ष 27 में 4.6 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है। हालांकि, वित्त वर्ष 26 के उच्च आधार और कमजोर मानसून के कारण ग्रोथ पिछले साल से थोड़ी धीमी रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया, ÷अप्रैल में यात्री वाहनों की थोक और खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में काफी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। जीएसटी दरों में कटौती, गर्मियों में शादियों के लंबे सीजन और नए लॉन्च किए गए मॉडलों की अच्छी मांग के कारण यात्रियों की मांग में लगातार वृद्धि हुई।÷ आईसीआरए के अनुसार, अप्रैल में यात्री वाहनों की थोक बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़कर 44 लाख यूनिट हो गई, क्योंकि कंपनियों ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए स्थिर उत्पादन जारी रखा। वहीं, इस दौरान खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के अंत में बिक्री बढ़ाने के लिए दी गई अधिक छूटों के कारण मार्च 2026 से खुदरा बिक्री में क्रमिक रूप से कमी आई है।

एआई का असर: अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी क्लिकअप ने 22% कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली । अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी क्लिकअप ने एआई-आधारित भूमिकाओं के जरिए कामकाज की क्षमता को %100 गुना% तक बढ़ाने के उद्देश्य से अपने ऑपरेशंस में बदलाव करते हुए 22 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की है। क्लिकअप के सीईओ ने कहा कि यह फैसला कंपनी की मजबूत स्थिति को देखते हुए लिया गया है और इससे होने वाली अधिकांश बचत को बाकी कर्मचारियों तथा एआई की मदद से शानदार प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को अधिक वेतन देने में लगाया जाएगा।

सॉफ्टवेयर फर्म क्लिकअप के संस्थापक और सीईओ जेब इवांस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, ÷आज हमने कर्मचारियों की संख्या में 22 प्रतिशत की कमी की है। कंपनी अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में है। यह फैसला मैंने लिया है और इसकी जिम्मेदारी भी मेरी है। मैंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि सबसे उच्च स्तर की उत्पादकता के साथ काम करने का तरीका बदल रहा है।÷

इवांस ने कहा कि जिन कर्मचारियों को हटाया गया है, उन्हें ऐसा पैकेज दिया जाएगा जो उनके योगदान का सम्मान करेगा और उन्हें नए बदलाव के दौर में मदद करेगा। कंपनी उन कर्मचारियों के लिए सालाना 10 लाख डॉलर तक के वेतन बैंड शुरू करेगी, जो %100 गुना प्रभाव% वाला प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने एक नए ऑपरेटिंग मॉडल की रूपरेखा भी बताई, जिसमें सबसे बेहतर इंजीनियर और प्रोडक्ट लीडर सिर्फ कोड लिखने का काम नहीं करेंगे, बल्कि एआई एजेंट्स को संचालित और उनकी समीक्षा करेंगे, जिससे उनकी उत्पादकता कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, ÷आम धारणा यह है कि एआई हर किसी को अधिक उत्पादक बना देता है। लेकिन ऐसा नहीं है।

पक्षियों से प्रेम करने वालों के लिए खास है नवाबगंज बर्ड सेंचुरी

नवाबगंज पक्षी अभयारण्य लखनऊ से लगभग 43 किलोमीटर दूर ह॥-25 (लखनऊ-कानपुर राजमार्ग) पर उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के नवाबगंज तहसील में स्थित है, जो लगभग 225 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यहां स्थानीय और प्रवासी पक्षी प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवास दोनों मिलता है। यह अभयारण्य ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि भगवान लक्ष्मण ने अयोध्या लौटते समय यहाँ झील पर विश्राम किया था। अभयारण्य स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की एक विविध श्रेणी के लिए एक आश्रय स्थल बन जाता है, जिसमें ओपन बिल स्टॉर्क इसके प्रतिष्ठित निवासी हैं। बर्ड संेचुरी में हिरणों के लिए एक स्थान है जहां चित्तीदार हिरण रहते हैं। इसके अलावा घूमने आने वाले लोगों के लिए यहां खाने-पीने की दुकानें और चिल्ड्रेन पार्क स्थित है।

न्यूज विंडो

उत्तरकाशी: हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

चिन्यालीसौड़। देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड से उत्तरकाशी के जोशियाड़ा हेलीपैड के लिए उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने और तेज हवा-तूफान के कारण सुरक्षा की दृष्टि से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।प्राप्त जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर ने दोपहर करीब 2 बजकर 10 मिनट पर चिन्यालीसौड़ के आसपास सुरक्षित लैंडिंग की।सूत्रों के अनुसार हेलीकॉप्टर में एडीजी अमित सिन्हा, उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के सीईओ सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निदेशक डा.आशीष चौहान समेत अन्य सवार थे।मौसम सामान्य होने के बाद एडीजी अमित सिन्हा सहित अन्य यात्री सड़क मार्ग से उत्तरकाशी के लिए रवाना हुए, जबकि डॉ.आशीष चौहान उसी हेलीकॉप्टर से वापस सहस्त्रधारा, देहरादून लौट गए।गनीमत रही कि खराब मौसम के बीच समय रहते हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करा दी गई और सभी यात्री सुरक्षित रहे।

घर के बाहर सो रहे परिवार पर चढ़ा डंपर पिता के साथ दो पुत्र और पुत्री की मौत

लखनऊ। बाराबंकी जिले के फतेहपुर-भनौली मार्ग पर शनिवार सुबह एक ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। ग्राम झांसा के पास सड़क किनारे मच्छरदानी लगाकर सो रहे एक परिवार को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे में पिता, दो बेटे और एक बेटी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मां जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम झांसा निवासी नीरज चौहान (36) अपनी पत्नी आरती चौहान (34), पुत्र अनुराग (12), आशू (8) तथा पुत्री आंशिक (10) के साथ सड़क किनारे जमीन पर मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी के कारण परिवार घर के बाहर सोने को मजबूर था। इसी दौरान सुबह करीब तीन बजे महमूदाबाद की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने अनियंत्रित होकर पूरे परिवार को रौंद दिया। हादसा इतना भयावह था कि नीरज चौहान और बड़े पुत्र अनुराग की मौके पर ही मौत हो गई।

अब भारत नहीं आएंगे नेपाल के विदेश मंत्री, रद्द हुआ दौरा

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल का प्रस्तावित भारत दौरा रद्द हो गया है। इससे दोनों देशों के बीच होने वाली अहम द्विपक्षीय वार्ताओं पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। यह दौरा ऐसे समय में टला है जब सीमा विवाद और व्यापारिक समझौतों पर उच्च स्तरीय बातचीत होनी थी। हाल ही में लिपुलेख दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले पर नेपाल ने कड़ी आपत्ति जताई थी, जिससे भारत और नेपाल के बीच राजनयिक तनाव गहरा गया है। इस विवाद का सीधा असर दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ा है, जिसके चलते नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल का भारत दौरा और उससे पहले भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री का नेपाल दौरा स्थगित हो गया था।शिशिर खनाल को भारत सरकार की ओर से 1 जून को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले पहले 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने का न्योता मिला था। भारत सरकार ने फिलहाल इस सम्मेलन को टाल दिया है। इस सम्मेलन में कई अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधियों को भी हिस्सा लेना था। माना जा रहा है कि अफ्रीकी देशों में फैले इबोला के प्रकोप के चलते इसे टाला गया है, हालांकि आधिकारिक बयान में इबोला का कोई सीधा जिक्र नहीं किया गया है।

51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर पीएम मोदी बोले-

अनगिनत अवसर कर रहे इंतजार हमारी युवा ताकत की दुनिया में चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 19वें रोजगार मेले में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम भागीदार बन रहे हैं। कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। यहां तक पहुंचने के लिए आप सभी ने लंबी तैयारी और कड़ा परिश्रम जरूर किया होगा। इस उपलब्धि के लिए मैं आपको और आपके परिवार जनों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं दुनिया में जहां भी जाता हूं तो भारत की युवा ताकत की चर्चा करता हूं। मैं एक नए संकल्प की बात करता हूं। 2047 तक विकसित भारत के संकल्प के तहत देश अलग-अलग सेक्टर में निवेश कर रहा है। इससे युवाओं के रोजगार के लिए लाखों अवसर बन रहे हैं। आने वाले समय में भारत की 10 बड़ी सेमीकंडक्टर यूनिट दुनिया में अपना परचम लहराएगी। इसमें बड़ी संख्या में भारत के नौजवानों का सामर्थ्य होगा। स्वाभाविक है कि इससे रोजगार मिलेगा। भारत आज शिप बिल्डिंग से लेकर शिप रिपेयरिंग और ओवरहॉलिंग का इको सिस्टम बना रहा है। भारत आज एक बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरर है। ऐसे अनेकों अभियानों पर भारत का पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर मिलकर बहुत बड़ा निवेश कर रहा है। ये निवेश देश के युवाओं को देश में ही जॉब दे रहा है और उनके सपने पूरे कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत के युवा के पास जिस तरह के मौके हैं, ऐसा अवसर पहले नहीं मिला है। आज बहुत तेज गति से ये सब हो रहा है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस देश की प्राथमिकता

पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक सरकारी कर्मचारी के नाते आपको भी ये ध्यान रखना है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस देश की कितनी बड़ी प्राथमिकता है। भारत की ग्रोथ स्टोरी में इंफ्रास्ट्रक्टर की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब दूर-दराज के इलाके विकास से जुड़ते हैं तभी प्रगति का लाभ ज्यादा लोगों तक पहुंचता है। पिछले 12 वर्षों में हर स्तर पर काम हुआ है। आज गांवों में भी बदलाव तेजी से दिखाई दे रहा है। कनेक्टिविटी बढ़ने से किसानों, छोटे व्यापारियों और विद्यार्थियों के लिए नए रास्ते खुले हैं। करोड़ों नए परिवारों को पक्का मकान मिला है। मेरा स्वच्छता का अभियान मैं कभी लोगों को भूलने नहीं देता हूं। हम शौचालय की भूमिका पर भी बल दे रहे हैं। करोड़ों घरों तक आज बिजली पहुंची है।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बिना सरकार की मंजूरी के अब फीस बढ़ा सकेंगे स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को बड़ा झटका देते हुए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि दिल्ली के प्राइवेट स्कूल और बिना सरकारी सहायता वाले मान्यता प्राप्त स्कूलों को नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर फीस बढ़ाने के लिए शिक्षा निदेशालय से पहले से अनुमति या मंजूरी लेने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है।

एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की बेंच ने साफ किया कि पूर्व अनुमति केवल उसी स्थिति में जरूरी है, जब कोई स्कूल चालू शैक्षणिक सत्र के बीच में अचानक फीस बढ़ाना चाहता हो। कोर्ट ने यह कहा कि किसी स्कूल के खाते में केवल 'सरप्लस फंड' होने का मतलब यह कतई नहीं निकाला जा सकता कि वह स्कूल शिक्षा का व्यावसायीकरण कर रहा है।

स्वायत्तता पर हाईकोर्ट की मुहर

हालांकि, बेंच ने अपने निर्देश में यह भी साफ कर दिया कि DoE को सौंपे गए बयानों में संबंधित स्कूलों द्वारा प्रस्तावित फीस में बढ़ोतरी केवल 2027 के शैक्षणिक सत्र से ही लागू होगी। बेंच ने कहा कि किसी भी स्कूल को पिछले शैक्षणिक सत्रों के लिए फीस या अन्य चार्जेस का कोई भी बकाया पिछली तारीख से मांगने या वसूलने की अनुमति नहीं होगी। बेंच ने यह साफ किया कि जो स्कूल किसी एकेडमिक सेशन की शुरुआत में फीस बढ़ाते हैं, उन्हें सेशन शुरू होने से पहले DoE को प्रस्तावित फीस का एक स्टेटमेंट जमा करना होगा। हालांकि, जस्टिस भंभानी ने कहा कि प्राइवेट, बिना सरकारी मदद वाले और मान्यता प्राप्त स्कूलों को अपनी वित्तीय आजादी का अधिकार बना रहेगा। शिक्षा निदेशालय का काम स्कूलों के रोजमर्रा के वित्तीय कामकाज को डिक्टेट करना या 'माइक्रो-मैनेज' करना नहीं है।

पंजाब में घुसपैठ: कार से घुसे दो पाकिस्तानी पकड़े, एक को सीमा पार करते हुए किया ढेर

अमृतसर, एजेंसी

पाकिस्तान से सटी भारतीय सीमा पर वीरवार रात दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। एक मामले में कार में सवार दो पाकिस्तानी नागरिक भारतीय क्षेत्र में घुस आए, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हिरासत में ले लिया। दूसरी घटना में एक अन्य पाकिस्तानी के सीमा पार करने पर बीएसएफ ने फायरिंग कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

बीएसएफ के अनुसार, दो पाकिस्तानी नागरिक वीरवार देर रात कार में सवार होकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए। तैनात जवानों ने तुरंत उन्हें रोककर हिरासत में ले लिया। कार भी जब्त कर ली गई। पकड़े गए आरोपियों के नाम मोहम्मद सलीम (60) निवासी नास्टर कॉलोनी, फिरोजपुर रोड, लाहौर और आमिर नवाज (40) निवासी जसहीन टाउन, गज्जी रोड, लाहौर हैं।

थाना खालड़ा के प्रभारी बलजिंदर सिंह ने बताया कि दोनों ने खुद को समाज सेवी संगठन के कार्यकर्ता बताते हुए दावा किया कि गांवों में बच्चों को पढ़ाई लिए किताबें वितरित करने आए थे व गलती से रास्ता भटकने पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। इन दोनों से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि कहीं यह कोई सुनियोजित कोशिश तो नहीं थी। बीएसएफ ने घटना की जानकारी पाकिस्तानी रेंजर्स को दे दी है। फिलहाल दोनों से अमृतसर सेक्टर में पूछताछ जारी है।

अमेरिका में खतरनाक केमिकल का रिसाव, 40 हजार लोगों को इलाका खाली करने का आदेश

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिकी के साउथ कैलिफोर्निया में खतरनाक केमिकल के रिसाव का मामला सामने आया है। ऐसे में शुक्रवार को लगभग 40,000 लोगों को इलाका खाली करने के आदेश दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्र में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक प्लास्टिक के पुर्जे बनाने में इस्तेमाल होने वाले एक खतरनाक केमिकल का रिसाव हो रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यह रसायन फट सकता है या विस्फोट कर सकता है। फिलहाल केमिकल टैंक लीकेज पर काबू पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

वहीं घटना को लेकर ऑरेंज काउंटी के दमकल विभाग ने बताया कि गार्डन ग्रोव शहर में स्थित एक एयरोस्पेस प्लास्टिक कारखाने में गुरुवार को 22,700 से 26,500 लीटर मिथाइल मेथैक्रिलेट से भरा एक भंडारण टैंक अत्यधिक गर्म हो गया और उससे वाष्प हवा में फैलने लगी। अधिकारियों ने गार्डन ग्रोव के निवासियों को शहर छोड़ने का आदेश दिया है। गार्डन ग्रोव के अग्निशमन प्रमुख क्रेग कोवे ने शुक्रवार को कहा कि टैंक टूट सकता है और उसमें दरार पड़ सकती है, जिससे केमिकल जमीन पर फैल सकता है, या फिर उसमें विस्फोट हो सकता है।

मेट्रो एंकर

लेबनान में महिलाओं की मदद बनी मिसाल, संयुक्त राष्ट्र सैन्य लिंग अधिवक्ता पुरस्कार के लिए चयन

भारत का बढ़ा गौरव: मेजर अभिलाषा को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने भारत की मेजर अभिलाषा बराक को साल 2025 के प्रतिष्ठित 'संयुक्त राष्ट्र सैन्य लिंग अधिवक्ता पुरस्कार' के लिए चुना है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के लिए किए गए उत्कृष्ट काम के लिए दिया जा रहा है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण माना जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक इस समय लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल यानी यूएनआईएफआईएल में भारतीय बटालियन के साथ तैनात हैं। वह वहां महिला सहभागिता टीम (एफईटी) की कमांडर के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने स्थानीय महिलाओं और लड़कियों के साथ जुड़कर उनकी समस्याओं को समझने, उन्हें जागरूक करने और उनकी सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम किया। इसके अलावा उन्होंने शांति सैनिकों को लिंग संवेदनशीलता यानी महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर प्रशिक्षण भी दिया।

पहली महिला कॉम्बैट हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं अभिलाषा

भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मेजर अभिलाषा बराक को महिलाओं और किशोरियों के साथ सामुदायिक जुड़ाव और शांति सैनिकों को जेंडर प्रशिक्षण देने के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं। अब उन्हें 29 मई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। यह दिन हर साल 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भारत के लिए खास बात यह भी है कि इस सम्मान को पाने वाली अभिलाषा बराक तीसरी भारतीय अधिकारी बन गई हैं।इससे पहले मेजर सुमन गवानी को 2019 में और मेजर राधिका सेन को 2023 में यह पुरस्कार मिल चुका है।मेजर सुमन गवानी ने दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के दौरान शानदार काम किया था, जबकि मेजर राधिका सेन ने कांगो में शांति मिशन में अपनी सेवाएं दी थीं।यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ पीस ऑपरेशंस द्वारा 2016 में शुरू किया गया था।इसका उद्देश्य उन शांति सैनिकों को सम्मानित करना है जो महिलाओं की सुरक्षा, समानता और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

शांति मिशनों में बड़ी भूमिका निभाता रहा है भारत

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में बड़ी भूमिका निभाता रहा है। फरवरी 2026 तक लेबनान में यू एन आई एफआईएल मिशन में भारत के 642 शांति सैनिक तैनात हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े योगदान देने वाले देशों में शामिल हैं। मार्च 2026 में भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए हमलों की भी कड़ी निंदा की थी और सभी पक्षों से ब्लू हेलमेट सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564